शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 49 | गुवाहाटी | रविवार, 15 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गृह एवं सहकारिता मंत्रालयों की सभी फाइलें हिंदी में लिखे हैं : अमित शाह — पेज 2

कसुतली बेदखली भूमि का दौरा करने पहुंचा कांग्रेस विधायक दल बैरंग लौटा — पेज 3

आईआईएम-आईआईटी की तर्ज पर देश में खुलेंगे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अकाउंटिंग — पेज 5

भारत का विजय अभियान बरकरार पाकिस्तान को 2-1 से हराया — पेज 7

सीएम ने अल्फा (आई) प्रमुख से किया आग्रह, कहा-

युवाओं के भविष्य को खतरे में न डाले

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिबंधित संगठन अल्फा (आई) प्रमुख परेश बरुआ से राज्य के युवाओं का भविष्य खतरे में डालने वाली किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य आगामी 10 साल में एक पावरहाउस (शक्ति का केंद्र) बनने जा रहा है। शर्मा ने यहां *द असम ट्रिब्यून डायलॉग 2024* में कहा कि 15 अगस्त को राज्य भर में बम लगाना गहरी चिंता का विषय है जो राज्य में जारी प्रगति और विकास को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम दृढ़तापूर्वक और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुझे यकीन है कि अगर राज्य शांतिपूर्ण रहा, आर्थिक व्यवस्था एक समान रही और युवाओं में सहयोग तथा उत्साह रहा, तो हम अगले 10 साल में भारत के परिदृश्य में एक *पावरहाउस* बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्यभर में विस्फोटकों के लगाए जाने के संबंध में गहरी चिंता है। उन्होंने कहा कि मैं इस मंच पर अल्फा (आई) प्रमुख से आग्रह करता हूं कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हों जो राज्य के युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल दे। प्रतिबंधित संगठन अल्फा (आई) ने स्वतंत्रता दिवस पर असम में सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 स्थानों पर बम लगाने का दावा किया था जिसके बाद पुलिस ने गुवाहाटी में दो स्थानों सहित कम से कम आठ स्थानों से *बम जैसे पदार्थ* बरामद किए थे।

असम ने तीन साल में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम भारत में सबसे ज्यादा निवेशक अनुकूल राज्यों में से एक के रूप में उभरा है, जिसमें टाटा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी समूह और विदेशी कंपनियां एयरबस और डसॉल्ट जैसे प्रमुख व्यापारिक घराने 2023-24 में असम में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज गुवाहाटी में द असम ट्रिब्यून डायलॉग्स 2024 में उद्घाटन भाषण देते हुए कहा कि राज्य ने सिर्फ 3 साल में 50,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश आकर्षित किया है। सीएम ने कहा कि सेमीकंडक्टर असंबलिंग यूनिट सहित निजी क्षेत्र में कुल निवेश पिछले तीन वर्षों में लगभग 50,000 करोड़ रुपए है। सेमीकंडक्टर उदयोग में टाटा का 27,000 करोड़ रुपए का निवेश एक महत्वपूर्ण बिकास है, जिससे लगभग 27,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश में 6 बायो रिफाइनरियां स्थापित करने का फैसला किया है और उन्होंने इसके लिए असम को एक स्थान के रुप में चुना है। टाटा, रिल्आयंस और अन्य औदयोगिक घरानों की उपस्थिति असम के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदलने जा रही है। एक और बड़ी और अच्छी खबर यह है कि राज्य में बेरोजगारी दर में 2 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आई है, जो 8 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत हो गई है। 2023-2024 के आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि इसी अवधि में हमारी बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत से घटकर 6.1 प्रतिशत हो गई है। 2024 में असम को छोड़कर कोई भी अन्य राज्य अपनी बेरोजगारी दर को कम करने में सक्षम नहीं है। सीएम शर्मा ने कहा कि पिछले 3-4 वर्षों में हमारा राज्य (असम) भारत के उन कुछ राज्यों में से एक है, जिन्होंने अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रखा है। असम ने 2023- 2024 में जीएसडीपी के मामले में 13.9 प्रतिशत और प्रति व्यक्ति आय के मामले में 12.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह देश के -शेष पृष्ठ दो पर

81 हजार मामले वापस लेगी राज्य सरकार विचाराधीन कैदियों को मिलेगी रिहाई

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने एक बड़ा फैसला लेना का विचार कर रही है। असम सरकार अदालतों में लंबित मामलों को वापस लेने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी में संशोधन करने का फैसला किया है। जिससे गंभीर अपराधों के निस्तारण के लिए समय दिया जा सके और विचाराधीन कैदियों को रिहा कर जेलों में भीड़ कम की जा सके। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल की बैठक की। इसके बाद उन्होंने कहा कि इस संशोधन से मार्च 2024 तक के 81,000 छोटे-मोटे मामले वापस लिए जा सकेंगे। मंत्रिमंडल ने *डसॉल्ट सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड* के अंतरिक्ष, रक्षा, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। डसॉल्ट के परामर्श और इंप्लीमेंटेशन सहायता के लिए 200 करोड़ रुपए का निवेश भी सरकार भी करेगी। जबकि राज्य सरकार इस परियोजना में 40 करोड़ रुपए लगाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के तहत करीब तीन हजार इंजीनियरिंग ग्रैजुएट को रोबोटिक्स, अंतरिक्ष, रक्षा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे कई क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाएगी। शर्मा ने आगे -शेष पृष्ठ दो पर

तृतीय श्रेणी की नौकरी : परीक्षा के दौरान पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं रहेंगी निलंबित

गुवाहाटी। परीक्षा को बिना किसी परेशानी के आयोजित करने के लिए असम सरकार ने रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रखने की घोषणा की है। तृतीय श्रेणी के सरकारी पदों के लिए लिखित परीक्षा होनी है। गृह एवं राजनीतिक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजय तिवारी ने कहा कि असम सरकार राज्य स्तरीय तृतीय श्रेणी के पदों के लिए भर्ती आयोग के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के लिए विभिन्न राज्य सरकार प्रतिष्ठानों में तृतीय श्रेणी के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने जा रही है; जबकि, असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेबा) ने राज्य स्तरीय तृतीय श्रेणी के पदों के लिए भर्ती आयोग की ओर से 15 सितंबर 2024 को असम -शेष पृष्ठ दो पर

पुल ढहने से असम-मिजोरम संपर्क टूटा, बचाव अभियान जारी

गुवाहाटी। असम और मिजोरम को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण पुल आधी रात के आसपास ढह गया, जिससे तीन ट्रक फंस गए और क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। भागा-शेरखान लिंक रोड पर निर्माण के लिए पत्थर ले जा रहे दो डंपर पुल पार कर रहे थे, तभी पुल टूट गया, जिससे वाहन नदी के ऊपर हवा में लटक गए। सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि एक ड्राइवर के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राज्यपाल से बीटीसी सीईएम ने की मुलाकात कोकराझाड़ आने के लिए किया आमंत्रित

कोकराझाड़। असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य 21 सितंबर को कोकराझाड़ आएंगे। बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो ने शुक्रवार शाम को राजभवन, गुवाहाटी में शिष्टाचार भेंट के बाद घोषणा की कि माननीय राज्यपाल ने 21 सितंबर, 2024 को बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के भव्य समारोह में शामिल होने के हमारे निमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। हम महामहिम का कोकराझाड़-शांति के शहर में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। यह राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य की कोकराझाड़ की पहली यात्रा होगी। इससे पहले, बीटीसी सीईएम ने डिप्टी सीईएम गोबिंद चंद्र बसुमतारी, कई ईएम और बीटीसी सचिव जतिन बोरा के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

सोनापुर मामला : विपक्षी दलों ने गोलीबारी की निंदा की, स्थानीय ने कांग्रेस को मौके पर जाने से रोका

सोनापुर। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल को भाजपा सदस्यों ने, जो खुद को कुछ संगठनों के सदस्य बता रहे थे, गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में बेदखली स्थल पर जाने से रोक दिया, जहां दो दिन पहले पुलिस गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी। विपक्षी दलों ने भी पुलिस गोलीबारी की घटना की निंदा की और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने का आरोप लगाया, जबकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सरकार जनजातीय आबादी के हितों की रक्षा के लिए *कड़ी कार्रवाई* करेगी। कोचुटोली गांव में बंगाली भाषी मुस्लिम ग्रामीणों को बेदखल करने का अभियान गुरुवार को हिंसक हो गया था, जब अतिक्रमणकारियों के एक वर्ग ने अभियान चला रहे अधिकारियों पर धारदार हथियारों और पत्थरों से हमला कर दिया था। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाईं, जिसके परिणामस्वरूप दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने बाद में बताया कि झड़प में 22 पुलिसकर्मियों समेत 33 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि वहां अवैध रूप -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

वो व्यक्ति जो दूसरों के गुप्त दोषों के बारे में बातें करते हैं, वे अपने आप को बांबी में आवारा घूमने वाले सांपों की तरह बर्बाद कर लेते हैं।

- आचार्य चाणक्य

मप्र : कुएं में मिले एक ही परिवार के चार लोगों के शव

सागर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोपरा में शनिवार सुबह एक कुएं में तीन महिलाओं और एक बच्ची का शव मिला है। इनमें दो महिलाएं फंदे पर लटकी मिलीं, जबकि बुजुर्ग महिला का शव पानी में उतराया हुआ और छह साल की बच्ची का शव पानी में डूबा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को एसडीआरएफ की टीम की मदद से करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद 35 फीट गहरे कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। घटना -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर को बनाएंगे सुरक्षित व समृद्ध, यह मोदी की गारंटी : नरेंद्र मोदी

डोडा (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक चुनावी रैली में कहा कि हम एक सुरक्षित जम्मू-कश्मीर का निर्माण करेंगे। यह चुनाव जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करेगा। मोदी ने कहा कि वे आपके इस प्यार और आशीर्वाद का बदला देश के लिए और अधिक मेहनत कर चुकाएंगे। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे, यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने डोडा की चुनावी जनसभा में कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के तीन राजनीतिक परिवारों ने राज्य को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि परिवारों ने स्वार्थ के लिए आतंकवाद पर आंखें मूंद लीं। अब तक *परिवारवाद* ने युवाओं को आगे -शेष पृष्ठ दो पर

ममता के मास्टरस्ट्रोक से टूटने लगा डॉक्टरों का आंदोलन

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आंदोलनरत डॉक्टरों के मंच पर आने के बाद जूनियर डॉक्टरों का आंदोलन बिखरने लगा है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर कई डॉक्टरों ने अपना आंदोलन छोड़ने का फैसला किया और घर लौटने की तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को ममता बनर्जी ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर जूनियर डॉक्टरों से मुलाकात की और उनके आंदोलन के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं आपकी समस्याओं को समझती हूं, क्योंकि मैं भी एक छात्र आंदोलन से निकली हूं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह उनके सामने एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर के दो जिलों में कर्फ्यू में 11 घंटे की ढील

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में लागू कर्फ्यू में शनिवार को सुबह 05 से शाम 04 बजे तक ढील दी गयी। 11 घंटे की इस ढील के दौरान लोग अपने-अपने घरों से आवश्यक कार्य के लिए बाहर निकले। इस दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने की खबर अब तक नहीं है। मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता में जोरदार धमाका महिला घायल

कोलकाता। कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर शनिवार दोपहर में अचानक धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आकर एक महिला घायल हो गईं। धमाके के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार का मिशन मौसम लांच

अब विज्ञानी बनेंगे बारिश के भगवान देश में कहीं भी कराएंगे वर्षा

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन की वजह से देश में कभी भारी बारिश की वजह से बाढ़ आ जाती है तो कभी कुछ इलाकों में बारिश न होने की वजह से सूखे के हालात बन जाते हैं। केंद्र सरकार ने ऐसी ही चरम मौसमी घटनाओं से निपटने के लिए मिशन मौसम लांच किया है। इससे मौसम के बारे में सटीक अनुमान लगाने के साथ बारिश कराने और बारिश रोकने की विशेषज्ञता भी विकसित की जाएगी। मिशन मौसम के तहत देश के वैज्ञानिक आकाशीय बिजली गिरने और बादल फटने की घटनाओं को भी रोक सकेंगे। सरकार ने मिशन मौसम के पहले चरण के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। पहला चरण मार्च 2026 तक चलेगा। इसके तहत 70 रडार, हाई परफार्मेंस कंप्यूटर, 10 विंड प्रोफाइलर और 10 रेडियोमीटर लगाए जाएंगे। दूसरे चरण में निगरानी की क्षमता बढ़ाने के लिए सेटेलाइट और एयरक्राफ्ट की संख्या बढ़ाई जाएगी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन -शेष पृष्ठ दो पर

ममता से बांग्लादेश के कट्टरपंथी की अपील

बंगाल को भारत से आजाद करने का करें एलान

ढाका। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश कट्टरपंथी और चरमपंथियों का गढ़ बनता जा रहा है। जहां से भारत विरोधी भावनाएं लगातार उबाल मार रही है। हिंदुओं को वहां लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उनके घरों, मकानों, दुकानों को जलाया जा रहा है। वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता और वर्तमान सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भले ही स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हों लेकिन भारत को लेकर कभी जमात को कभी कट्टरपंथी, आतंकवादी संगठन की तरफ से लगातार बयान जारी किए जा रहे हैं। अब एक इस्लामिक नेता ने अब भारत को तोड़ने का आह्वान तक कर डाला है। बांग्लादेश में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बंगाल को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गृह एवं सहकारिता मंत्रालयों की सभी फाइलें हिंदी में लिखे हैं : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में राजभाषा हीरक जयंती समारोह एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय में फाइलें और पत्राचार हिंदी में लिखे जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय में फाइलें और पत्राचार हिंदी में लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा एक अभिव्यक्ति है और अभिव्यक्ति मुखर तब होती है जब वह अपनी भाषा में हो। उन्होंने कहा कि मैं सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को बताना चाहता हूं कि मेरे जैसे व्यक्ति को भी सभी फाइलें हिंदी में प्राप्त करने में तीन साल लग गए। मेरे मंत्रालयों (गृह और सहकारिता) में कोई भी संचार और फाइल अंग्रेजी में नहीं हैं, सभी फाइलें हिंदी में हैं। भारतीय भाषाओं को बचाने में माताओं की भूमिका को अहम बताते हुए अमित शाह ने अभिभावकों से अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में ही बात करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई हमारी भाषाओं को बचा सकता है तो वो सिर्फ माताएं हैं। उन्होंने सभी माता-पिता से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में ही बात करें। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसा करेंगे तो हमारी भाषाओं पर कोई आंच नहीं आएगी। हमारी भाषाएं लंबे समय तक देश और दुनिया की सेवा करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय राजभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का है। अब इस देश को कोई किसी भी तरह की गुलामी में नहीं रख सकता और न ही इसे कभी भाषा की गुलामी में रख सकता है। उन्होंने कहा कि आज हिंदी संयुक्त राष्ट्र की भाषा बन गई है और 10 से अधिक देशों की दूसरी भाषा भी बन गई है। उन्होंने कहा कि हिंदी अब अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने की ओर अग्रसर है। अमित शाह ने कहा कि हिंदी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती क्योंकि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा कि हिंदी और स्थानीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक हैं और इसीलिए भारतीय भाषा अनुभाग के माध्यम से हिंदी और सभी स्थानीय भाषाओं के बीच सौहार्द को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई लेख, भाषण या पत्र हिंदी में है तो भारतीय भाषा अनुभाग उसका देश की सभी भाषाओं में अनुवाद करेगा। इसी तरह देश की सभी भाषाओं के साहित्य, लेख और भाषणों का हिंदी में अनुवाद किया जाएगा जो समय की मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर ज़ोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक बच्चे के लिए भाषाई अभिव्यक्ति, सोच, समझ, तर्क, विश्लेषण और किसी निर्णय पर पहुंचने की सबसे आसान भाषा उसकी मातृभाषा ही होती है। गृह मंत्री ने इस अवसर के लिए विशेष रूप से तैयार की गई *राजभाषा भारती* पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का विमोचन किया। उन्होंने हीरक जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया।

देश के किसानों के हित में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए दिन-रात जुटे रहने वाले अपने किसान भाई-बहनों के हित में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आज सोशल मीडिया पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयानों को साझा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि चाहे प्याज का निर्यात शुल्क कम करना हो या खाद्य तेलों का आयात शुल्क बढ़ाना, ऐसे कई फैसलों से हमारे अन्नदाताओं को बहुत लाभ होने वाला है। इनसे जहां उनकी आय बढ़ेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे पहले केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि नरेंद्र मोदी किसान हितैषी प्रधानमंत्री हैं। कृषि व किसान कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हित में मोदी सरकार ने कुछ बड़े निर्णय साझा करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिवराज सिंह चौहान ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा कि किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसान भाइयों-बहनों के हित में निर्णय लेते हुए खाद्य तेलों के आयात शुल्क को 0 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। अन्य उपकरणों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो जाएगा। आयात शुल्क बढ़ाने से सोयाबीन के फसल की कीमतों में वृद्धि होगी और खाद्य तेल निर्माता भी घरेलू किसानों से फसल खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। जिससे किसानों को उनकी फसल के ठीक दाम मिल सकेंगे। इस निर्णय से सोया खली का उत्पादन बढ़ेगा और उसका निर्यात हो सकेगा।

बांग्लादेशी हिंदुओं के सवाल पर राहुल गांधी की टीम ने मीडियाकर्मी के साथ की बदसुलूकी

नई दिल्ली (हि.स.)। अमेरिका में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर विवाद अभी खत्म नहीं हुआ था कि बांग्लादेशी हिंदुओं पर सवाल पूछने पर अमेरिका में एक पत्रकार के साथ कथित तौर पर मारपीट करने की घटना के समर्थन पर वे घिरते नजर आ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान एक पत्रकार के साथ मारपीट की गई, उसका फोन छीन लिया गया और साक्षात्कार को जबरदस्ती हटा दिया गया। यह कांग्रेस की असली मानसिकता को दर्शाता है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी हर संसदीय सत्र के बाद विदेश जाते हैं, भारत विरोधी बयान देते हैं और भारत विरोधी एजेंडे वाले लोगों से मिलते हैं। फिर भारतीयों का मनोबल गिराने के लिए मीडिया में जातिवाद की बात करते हैं।

मेडिकल रिसर्च के लिए एम्स को सौंपा गया येचुरी का पार्थिव शरीर

नई दिल्ली (हि.स.)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को सौंप दिया गया। उनकी इच्छा के अनुसार उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल रिसर्च के लिए दान किया गया है। सीताराम येचुरी की पत्नी सीमा चिश्ती और उनकी बेटी ने उनकी देह को दान करने से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

नक्सलियों ने सुरक्षाबल कैंप पर अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से किया हमला

सुकमा/रायपुर (हि.स.)। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में नक्सलियों ने शुक्रवार देर शाम जगरगुंडा थाना क्षेत्र स्थित पुवर्ती गांव में सुरक्षाबलों के कैंप पर अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से हमला किया। सतर्क जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। कुछ घंटे चली मुठभेड़ के बाद नक्सली भाग निकले। मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। पुवर्ती खूंखार नक्सली हिडमा का गांव है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने शनिवार सुबह घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों ने जगरगुंडा थाना क्षेत्र स्थित पुवर्ती गांव में बीती देर शाम कैंप पर हमला किया। नक्सलियों ने अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से 15 से 20 गोले दागे। हमले में 15-20 नक्सलियों का समूह शामिल था। नक्सली हमले के बाद जवानों ने मोर्चा संभाला। सुरक्षा बलों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए जवाबी फायरिंग की। कुछ घंटे चली मुठभेड़ में जवानों को भारी पड़ते देख नक्सली जंगल और अंधेरे का फायदा उठा कर भाग निकले।

पृष्ठ एक का शेष

असम ने तीन साल में ...

शीर्ष 5 सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक बन गया है। उदघाटन सत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया और पिछले 10 वर्षो में पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार दवारा शुरू की गई 1,30,000 लाख करोड़ रुपए से अधिक की मेगा इंफ्रा परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि इस क्षेत्र में 19,000 करोड़ रुपए के निवेश से कई परियोजनाएं चल रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर में रेलवे परियोजनाओं में 8,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है, क्षेत्र में सड़क परियोजनाओं में 48,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षो में पूर्वोत्तर में 5200 किलोमीटर नई सड़कें बनाई गई हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में आठ नए हवाई अड्डे बनाए गए हैं और 71 नए हवाई मार्ग बनाए गए हैं। उदघाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति नानी गोपाल महंत भी उपस्थित थे। स्वागत भाषण देते हुए असम ट्रिब्यून प्रकाशन समूह की निदेशक बबीता राजखोवा ने प्रकाशन की साधारण शुरुआत के बारे में बताया जो आज क्षेत्र के अग्रणी दैनिक समाचार पत्रों में से एक बन गया है।

81 हजार मामले ...

कहा कि मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) से 100 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड बिजली की खरीद को भी मंजूरी दी है। बैठक में 4,669 अतिरिक्त संविदा शिक्षकों को नियमित करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाने को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने *ओरुणोदोई* योजना के तहत 126 विधानसभा क्षेत्रों में 1,26,000 लाभार्थियों को जोड़ने को मंजूरी दी है। इसके साथ ही सरकार ने एलान किया कि 19 सितंबर से 17 लाख और लोगों को राशन कार्ड दिए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने 362 करोड़ रुपए की लागत से असम के जूलॉजिकल पार्क की मरम्मत करने का भी निर्णय लिया गया। इन दिनों असम सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है। हाल ही में शुक्रवार को भी सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए करोड़ों के घोटाले वाले 32 मामलों की जांच को सीबीआई को सौंप दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा के बाद ये निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ प्रक्रियाओं के चलते मामलों को सीबीआई को ट्रांसफर करने में लगभग एक महीने का समय लगेगा।

तृतीय श्रेणी की ...

के 28 जिलों को कवर करने वाले विभिन्न परीक्षा केंद्रों में ऐसी लिखित परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। आदेश में कहा गया है कि उस दिन असम राज्य में फैले 2305 परीक्षा केंद्रों में 11,23,204 उम्मीदवारों को सार्वजनिक परीक्षा के लिए उपस्थित होना है, जिनमें से 429 केंद्रों की पहचान उनके भौगोलिक स्थान और धोखाधड़ी और अन्य कदाचार के पिछले इतिहास के कारण *संवेदनशील* केंद्रों के रूप में की गई है, जबकि, असम सरकार की इच्छा है कि लिखित परीक्षा पूरी तरह से योग्यता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों का चयन करने के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जानी चाहिए और परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जबकि, पहले ऐसे अवसरों पर देखा गया है कि कुछ बेईमान तत्वों ने फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), टेलीग्राम और यूट्यूब आदि जैसे विभिन्न मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके अनुचित साधनों का सहारा लिया, जो इंटरनेट / वाई-फाई कनेक्टिविटी पर आधारित हैं। इसमें आगे कहा गया है कि जबकि, असम सरकार परीक्षा प्रक्रिया में कोई खामी नहीं चाहती है, जिससे भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर जनता के मन में संदेह पैदा होने की संभावना हो। जबकि, इस बात की पर्याप्त आशंका है कि असामाजिक तत्व या संगठित समूह सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने का सहारा लेकर स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे और परीक्षा की प्रक्रिया को अस्थिर करने की कोशिश कर सकते हैं, जबकि, असम सरकार ने मामले की सावधानीपूर्वक जांच की है और इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करने के हित में, ऐसी लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए निर्धारित दिन परीक्षा के समय मोबाइल इंटरनेट/मोबाइल डेटा/मोबाइल वाई-फाई कनेक्टिविटी को अस्थायी रूप से अक्षम करने सहित सभी संभावित खामियों को दूर करना विवेकपूर्ण और समीचीन है। 2022 में, परेशानी मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए, तीसरे और चौथे दर्जे के पदों की परीक्षा के लिए असम के 25 जिलों के बड़े क्षेत्रों में मोबाइल फोन पर इंटरनेट सेवाएं चार-चार घंटे के लिए बंद कर दी गईं।

पुल ढहने से ...

लापता होने की सूचना मिली थी। स्थानीय पुलिस ने बचाव अभियान चलाया और कुछ घंटों बाद लापता चालक को एक वाहन से बचा लिया गया। सांसद परिमल शुक्लाबैद्य नुकसान का जायजा लेने और बचाव प्रयासों की निगरानी करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुल के ढहने से चार गांवों का संपर्क टूट गया है, जिससे नदी के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। निवासियों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है, और निराशा बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल के ढहने का मुख्य कारण ओवरलोडिंग है, क्योंकि पुल पर अक्सर भारी भरकम डम्पर ट्रक देखे जाते हैं। वे पुल के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही की मांग करते हैं। जबकि प्रयास सामान्य स्थिति बहाल करने पर केंद्रित हैं, लापरवाही और जिम्मेदारी के सवाल बने रहने की संभावना है। इस घटना की जांच से पतन के कारण का पता लगाने और जवाबदेही तय करने की उम्मीद है।

राज्यपाल से बीटीसी...

राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें बीटीआर क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, जिसमें इसकी बहु-धार्मिक और बहुभाषी संस्कृति, परंपरा, विरासत, संसाधन और विकास प्रगति शामिल है, के बारे में जानकारी दी।

सोनापुर मामला : विपक्षी दलों ...

से रह रहे लगभग 300 परिवार थे और अभियान शुरू होने के बाद से 151 परिवारों को बेदखल किया गया तथा 248 बीघा भूमि खाली कराई गई। कई कांग्रेस विधायक और नेता शनिवार को स्थानीय लोगों से मिलने के लिए कामरूप मेट्रोपोलिटन जिले के सोनापुर राजस्व क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में गए थे, लेकिन लोगों के एक समूह ने मौके पर पहुंचने से पहले ही उनके वाहनों को रोक दिया। एक कांग्रेस नेता ने बताया कि वे कारों से उतर गए और घटनास्थल पर पैदल जाने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने उन्हें ऐसा करने की भी अनुमति नहीं दी। कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और विधायक जाकिर हुसैन सिकदर ने स्थानीय लोगों से बात करने की कोशिश की और कहा कि प्रतिनिधिमंडल सभी पक्षों की बात सुनने आया है। घटनास्थल के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनता के प्रतिनिधि के तौर पर हम लोगों की सभी जायज चिंताओं को उठाएंगे। लेकिन साथ ही पुलिस द्वारा लोगों की गोली मारकर हत्या करना और बिना नोटिस के लोगों को बेदखल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। पुलिस पर हमला करने वालों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। हुसैन ने जोर देकर कहा कि हम शांतिपूर्ण असम चाहते हैं। राज्य में अब कानून-व्यवस्था नहीं रह गई है। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से लौटकर गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। बाद में यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हुसैन ने कहा कि कांग्रेस अतिक्रमण का समर्थन नहीं करती है और अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल किया जाना चाहिए, लेकिन यह कार्य पुनर्वास के प्रावधान के साथ अदालतों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। लोग मारे गए, पुलिसकर्मी घायल हुए। ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई? हम इसका विश्लेषण करने जा रहे हैं ताकि हम इलाके में शांति बहाल करने के लिए पार्टी और सरकार को एक रिपोर्ट सौंप सकें। हुसैन ने आरोप लगाया कि प्रतिनिधिमंडल के लिए कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी कि लेकिन भाजपा के कुछ सदस्यों ने कुछ संगठनों के सदस्य होने का दिखावा करते हुए हमें रोका। उन्होंने हमारे साथ गाली-गलौज की और शारीरिक रूप से धमकाने की भी कोशिश की। विधायक ने कहा कि कांग्रेस इस मामले को राज्यपाल के समक्ष उठाएगी। विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने भी विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी को पत्र लिखकर कहा है कि अध्यक्ष के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया जाए जो कोचुटोली का दौरा करे और स्थिति का जायजा ले। एआईयूडीएफ के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से मुलाकात की और क्षेत्र से निकाले गए लोगों की सुरक्षा और कल्याण के बारे में चिंता जताई। हमें जानकारी मिली है कि गांव में कुछ लोग घायल हैं। बेदखल किए गए लोग नदी के किनारे खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। हम उनकी स्थिति को लेकर चिंतित हैं और इसकी जांच करना चाहते हैं। विधायक अमीनुल इस्लाम ने कहा कि लेकिन हमारे प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार को क्षेत्र का दौरा करने से रोक दिया गया और हमने डीजीपी के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने आरोप लगाया कि कोचुटोली से लोगों को बेदखल करने की कार्रवाई राज्य के अन्य ज्वलंत मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि केवल एक विशेष समुदाय के सदस्यों को ही क्षेत्र से निकाला जा रहा है। भाजपा पिछले आठ सालों से यहां सत्ता में है। बेदखली अभियान अब ही क्यों चलाया जा रहा है? यह उनकी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश है। नागरिक मंच, असम सिविल सोसाइटी ने भी बेदखली अभियान में दो लोगों की हत्या पर आश्चर्य व्यक्त किया है। अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुइयां और महासचिव परेश मालाकार ने कहा कि बेदखली अभियान चलाया जा सकता है, लेकिन यह कानूनी ढांचे के भीतर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पुलिस की गंभीर विफलता है कि उसने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सीधे गोलीबारी करने के बजाय लाठी, आंसू गैस या रबर की गोलियों जैसे अन्य तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया। इस बीच, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार आदिवासी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि सोनापुर आदिवासी क्षेत्र और ब्लॉक में अवैध प्रवासियों की उपस्थिति आदिवासी पहचान, संस्कृति और परिदृश्य के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हम आदिवासी समुदायों की भूमि और संस्कृति की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि गुरुवार की हिंसा के बाद क्षेत्र में बेदखली अभियान रोक दिया गया है।

मप्र : कुएं में मिले ...

की मिलने पर सागर के पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा भी कोपरा गांव पहुंचे। देवरी एसडीओपी शशिकांत सरयाम ने बताया कि मृतकों की पहचान 35 वर्षीय आरती पत्नी करोड़ी लोधी, 29 वर्षीय भारती पत्नी किशोरी लोधी एवं छह वर्षीय रोमिका पुत्री किशोरी लोधी और 65 वर्षीय भाग बाई पत्नी मिट्ठु लोधी के रूप में हुई। आरती व भारती दोनों भागबाई की बेटियां थीं और दोनों आपस में देवरानी-जेठानी भी थीं जबकि रोमिका भागबाई की नातिन थी। आरती व भारती मायके में ही रह रही थीं। जानकारी के मुताबिक आरती और भारती के ससुराल में साल भर पहले एक नवविवाहिता सोनू लोधी ने जहर खाकर आत्महत्या की ली थी। इस मामले में आरती और भारती के परिवार को आरोपित बनाया गया था। इस मामले में भारती और आरती के पति जेल में हैं। परिजनों के मुताबिक सोनू की मौत के बाद उसके स्वजन आरती-भारती के घर पहुंचकर गाली-गलौज करते थे। शुक्रवार शाम भी कुछ लोगों ने आकर विवाद किया था। इससे ये लोग परेशान हो गए थे। इसी के चलते संभवत: शुक्रवार की रात उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

जम्मू-कश्मीर को बनाएंगे ...

नहीं आने दिया और इसीलिए 2014 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर में युवाओं के नए नेतृत्व को आगे लाने की कोशिश की है। फिर 2018 में यहां पंचायत चुनाव हुए, 2019 में बीडीसी चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी चुनाव हुए ताकि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र जमीनी स्तर तक पहुंचे। जम्मू-कश्मीर में इस बार का विधानसभा चुनाव तीन परिवारों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच है। एक परिवार कांग्रेस का है, एक परिवार नेशनल कांफ्रेंस का है और एक परिवार पीडीपी का है। इन तीनों परिवारों ने जम्मू-कश्मीर में आप लोगों के साथ जो किया है, वह किसी पाप से कम नहीं है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बड़ाया। जम्मू-कश्मीर के नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बड़ाने वाली पार्टियां मौज करती रहीं। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आपके इसी विश्वास को आगे बड़ाते हुए भाजपा ने आपके लिए एक से बढ़कर एक संकल्प लिए हैं। आज ही हमने टीका लाल टपलू को याद किया है, उन्हें श्रद्धांजलि दी है। तीन दशक से ज्यादा हो गए, इसी दिन उन्हें आतंकियों ने शहीद किया था। उनकी हत्या के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार का एक अंतहीन सिलसिला चला। ये भाजपा है, जिसने कश्मीरी पंडितों की आवाज उठाई और उनके हित में काम किया। भाजपा ने कश्मीरी हिंदुओं की वापसी और पुनर्वास के लिए टीका लाल टपलू योजना बनाने का एलान किया है। इससे कश्मीरी हिंदुओं को उनका हक दिलाने में तेजी आएगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा जम्मू संभाग की सभी 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पिछली जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा के 25 विधायक थे। प्रधानमंत्री मोदी के भी 19 सितंबर को घाटी का दौरा करने की उम्मीद है जब वह श्रीनगर शहर में भाजपा की एक अन्य चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए तीन चरणों- 18 व 25 सितंबर और एक अक्तूबर को वोटिंग होगी। मतों की गिनती 8 अक्तूबर को होगी। जम्मू-कश्मीर में 10 वर्षों के बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं तथा अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के बाद यह पहला चुनाव है।

ममता के मास्टरस्ट्रोक ...

एक बड़ी बहन के रूप में आई हैं। उनकी इस भावनात्मक अपील ने कई जूनियर डॉक्टरों को प्रभावित किया, खासकर इंटर्न और पोस्ट ग्रेजुएट के पहले वर्ष के छात्रों को, जो जल्द ही घर लौटने लगे। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों को शाम 6:00 कालीघाट स्थित अपने घर पर मीटिंग के लिए बुलाया है लेकिन उसके पहले ही स्वास्थ्य भवन के पास धरना स्थल से कई डॉक्टर अपने बैग में अपना सामान डालकर लौटने की तैयारी कर चुके हैं। ममता बनर्जी ने धरनास्थल से ही राज्य के अस्पतालों में रोगी कल्याण समितियों को भंग करने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि अब से इन समितियों का नेतृत्व किसी राजनीतिक नेता की बजाय मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल करेंगे और जूनियर डॉक्टर भी इसके सदस्य होंगे। इससे डॉक्टरों और प्रिंसिपल के बीच सीधा संवाद होगा और रोगी भी अपनी समस्याओं के बारे में सीधे प्रिंसिपल से संपर्क कर सकेंगे। आंदोलन की अगुवाई करने वाले डॉक्टरों में से कई अब आंदोलन जारी रखने या छोड़ने को लेकर असमंजस में हैं। खासकर तमलुक, बर्दवान, बांकुड़ा और उत्तर बंगाल के जूनियर डॉक्टरों ने अपने बैग पैक करने शुरू कर दिए हैं और उनके लौटने की तैयारी है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद कुछ राजनीतिक बिंदुओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। आंदोलन के दौरान कुछ जूनियर डॉक्टरों के नेताओं के साथ वामपंथी नेताओं के लगातार संपर्क की भी खबरें आई हैं। इस बात को लेकर जूनियर डॉक्टरों के बीच अब बहस छिड़ी है कि आंदोलन को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

अब विज्ञानी बनेंगे ...

ने बताया कि मिशन के तहत बढ़ते तापमान के संदर्भ में बादलों में हो रहे के अध्ययन के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मेट्रोलाजी, पुणे में क्लाउड चैंबर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम लैब में कृत्रिम रूप से बादल बनाएंगे और प्रयोग करेंगे। इससे विज्ञानियों को इन प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी और उनको पता चलेगा कि किस तरह के बादलों में सीडिंग करके बारिश कराई जा सकती है? सीडिंग के लिए किस तरह की सामग्री का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और बारिश बढ़ाने ओर या बारिश रोकने के लिए कितनी सीडिंग की जरूरत है? सीडिंग एक प्रक्रिया है,जिसमें बादलों में एक खास सामग्री मिला कर बारिश कराई जाती है। रविचंद्रन ने बताया कि हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्ष में कृत्रिम तरीके से बारिश को बढ़ाना और बारिश को नियंत्रित करना है। इसके बाद हम आकाशीय बिजली जैसी दूसरी मौसमी घटनाओं पर फोकस करेंगे। मौसम प्रबंधन की जरूरत के बारे में पूछे जाने पर रविचंद्रन ने कहा कि दिल्ली में लगातार बारिश होने से बाढ़ आ सकती है। ऐसे में अगर हमारे पास बारिश रोकने की तकनीक है तो हम बादलों में ज्यादा सीडिंग करके बारिश को रोक सकते हैं। इसी तरह से सूखाग्रस्त इलाकों में बारिश करवा कर लोगों को सूखे से बचा सकते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार वायुमंडलीय प्रक्रियाओं की जटिलता और वर्तमान आब्जर्वेशन और माडल रेजोल्यूशन की सीमाओं के कारण मौसम के बारे में पूर्वानुमान लगाना चुनौतीपूर्ण है। वहीं, जलवायु परिवर्तन के कारण स्थानीय स्तर पर भारी बारिश और सूखे की घटनाएं बढ़ रही हैं। बादल फटने, आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान मौसम से जुड़ी ऐसी घटनाएं हैं, जिनके बारे में भारत में बहुत कम समझ है। इस स्थिति से निपटने के लिए बादलों के भीतर और बाहर, सतह पर, ऊपरी वायुमंडल में, महासागरों के ऊपर और ध्रुवीय क्षेत्रों में होने वाली मौसम से जुड़ी हर गतिविधि पर शोध की जरूरत है। भारतीय मौसम विभाग ने देश भर में अब तक 39 डॉप्लर रडार लगाएं हैं और कोई विंड प्रोफाइलर नहीं है। वहीं, चीन में 260 रडार 128 विंड प्रोफाइलर हैं। अमेरिका में 160 रडार और 100 विंड प्रोफाइलर हैं।

बंगाल को भारत से ...

मोदी के चंगुल से मुक्त कराने और स्वतंत्रता की घोषणा करने को कहा है। आतंकी गुट के प्रमुख ने भारत को धमकी देते हुए उसे अपने पड़ोसी बांग्लादेश के साथ किसी भी तरह के झगड़े से बचने के लिए कहा। एबीटी प्रमुख जशीमुद्दीन रहमानी को हाल ही में बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने जेल से रिहा कर दिया था। शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश के प्रदर्शनकारियों और सेना समर्थित सरकार अब बांग्लादेश को कंट्रोल कर रही है। रहमानी 2013 से जेल में था और उसे देश में धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगरों की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। एक वीडियो मैसेज में भारत को चेतावनी देते हुए उसे ये कहते हुए सुना जा सकता है कि अगर तुमने बांग्लादेश की तरफ देखा तो हम आंखें निकाल लेंगे। अगर तुम हाथ बढ़ाओगे तो हम हाथ काट देंगे और अगर तुम कोई कदम उठाओगे तो हम टांग तोड़ देंगे। दो मिनट के वीडियो में कट्टरपंथी अस्पताल के बेड पर बैठा नजर आ रहा है। उसने दावा किया कि बांग्लादेश कोई सिक्किम या भूटान नहीं, बल्कि 18 करोड़ मुसलमानों वाला देश है। आतंकवादी संगठन से जुड़े रहमानी यहीं नहीं रुका। उसने भारत को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप बांग्लादेश की ओर एक कदम बढ़ाएंगे तो हम चीन से कहेंगे कि चिकन नेक (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) बंद कर दे। हम सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर राज्यों) से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने का आह्वान करेंगे।

मणिपुर के दो ...

पुलिस के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में हालात सामान्य होने के मद्देनजर कर्फ्यू में 11 घंटे की ढील दी गयी ताकि लोग दवा, दूध, सब्जी और अन्य जरूरी वस्तुओं के लिए बाहर निकल सकें। उग्रवादी हमले के बाद छात्रों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर 10 सितंबर को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के मुताबिक एयरपोर्ट से आने-जाने वाले यात्रियों पर इस प्रतिबंध का कोई असर नहीं होगा। स्वास्थ्य सेवा, बिजली, मीडिया तथा न्यायालय जैसी आवश्यक सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों को कर्फ्यू से छूट दी गई है। इस प्रकार नगर निगम के अधिकारियों, बिजली कर्मचारियों, पेट्रोल पंप कर्मचारियों, हवाई यात्रियों और मीडियाकर्मियों को प्रतिबंधों के बावजूद घूमने की अनुमति है।

कोलकाता में जोरदार ...

अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोलकाता पुलिस के मुताबिक, दोपहर 1.45 बजे ब्लोचमैन स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड के बीच में विस्फोट की जानकारी मिली। शुरुआती जांच में पता चला है कि सड़क किनारे प्लास्टिक की एक लाबारिश बोरी (बैग) रखी थी जिसमें विस्फोट हुआ। पुलिस व बम निरोधक टीम ने घटनास्थल पर मौजूद लाबारिश बोरी और आसपास की चीजों की जांच की। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और नमूने एकत्रित किए। विस्फोट के बाद पुलिस ने व्यस्त एसएन बनर्जी रोड पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक को रोक दिया था। जांच के बाद उस रोड पर ट्रैफिक को फिर बहाल कर दिया गया। इस बोरी को किसने और किस उद्देश्य से रखा था, इसका अभी पता नहीं चला है। इधर, इस घटना पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजुमदार ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस मामले की जांच अच्छे से होनी चाहिए। कोलकाता पुलिस धमाके की जांच नहीं कर पाएगी क्योंकि उनके पास सही तकनीक और लोग नहीं है। उन्होंने इस मामले की जांच एनआइए को सौंपने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की भी मांग की। मजुमदार ने कहा कि यह गृह मंत्री के तौर पर ममता बनर्जी की नाकामी है। उन्हें तुरंत पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। दरअसल, आरजी कर कांड को लेकर भाजपा ममता का लगातार इस्तीफा मांग रही है।

तापमान

अधिकतम 30⁰ न्यूनतम 25⁰

कसुतली बेदखली भूमि का दौरा करने पहुंचा कांग्रेस विधायक दल बैरंग लौटा

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के सोनापुर इलाके में अवैध अतिक्रमण को लेकर पिछले 12 सितंबर से स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। जिला प्रशसान और पुलिस टीम पर संदिग्ध नागरिकों द्वारा किए गए हमले के बाद से इलाके के लोग बेहद नाराज हैं। पुलिस पर हुए हमले के विरोध में आज आदिवासी समाज के संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके इलाके के बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों के लोग एकजुट होकर नारेबाजी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सोनापुर के कसुतली में 12 सितंबर को अवैध कब्जे की भूमि को खाली कराने के दौरान संदिग्ध नागरिकों द्वारा किए गए हमले में पुलिस एवं प्रशासन के 22 से अधिक अधिकारी एवं पुलिस कर्मी घायल हुए थे। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई के दौरान दो लोगों की मौत तथा 13 व्यक्ति घायल हुए थे। सोनापुर के कसुतली में पुलिस और प्रशासन की टीम 200 बीघा आदिवासी बेल्ट की भूमि पर अतिक्रमण करने वाले संदिग्ध नागरिकों को बेदखल करने जा रही थी। पुलिस पर पथराव किया गया और धारदार हथियार से हमले किए गए। इस घटना को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायक दल के नेतृत्व में आज बेदखली स्थल का दौरा करने पहुंचे विपक्षी दल के नेताओं को आदिवासी समाज ने प्रवेश करने से रोक दिया। स्थानीय लोगों ने भारी विरोध करते हुए कांग्रेस गो बैक, अतिक्रमण स्थल को लेकर राजनीति नहीं करने देंगे आदि नारेबाजी की। विरोध-प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत करने पहुंचे कांग्रेस के नेताओं के साथ जमकर वाद-विवाद भी हुआ। कांग्रेस विधायक दल का नेतृत्व जाकिर हुसैन सिकदर, रेकिबुद्दीन अहमद, शिबामणि बोरा, वाजिद अली चौधरी, नुरुल हुदा, मु. आसिफ नजर, प्रदीप सरकार, यादव स्वर्गियारी, नंदिता दास समेत कुल 9 विधायक कसुतली के बेदखली स्थल का जायजा लेने पहुंचे थे। कांग्रेस पार्टी के नेताओं को देखते ही आदिवासी समाज के संगठनों के नेतृत्व ने मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाले कसुतली के मुख्य प्रवेश द्वार को अवरुद्ध कर दिया जिसके चलते स्थिति बेहद गंभीर हो गई। अंत में कांग्रेस के विधायकों का दल बीच रास्ते से ही बैरंग लौटने के लिए मजबूर हो गया। ट्राइबल यूनियन की ओर से सोनापुर के कसुतली में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अतिक्रमणकारियों के हमले में पुलिस अधिकारियों के घायल होने के खिलाफ आदिवासी यूनियन के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया।

आदिवासी छात्र संघ ने विधायक के घर का किया घेराव

तिनसुकिया (हिंस)। आदिवासी छात्र संघ ने डिगबोई के भाजपा विधायक सुरेन फुकन के घर का आज घेराव कर अपनी मांगों को पूरा करने का आह्वान किया। आदिवासी छात्र संघ लंबे समय से आदिवासियों को भूमि का पट्टा देने, जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग कर रहे हैं। अपनी उपरोक्त मांगों को लेकर आज विधायक सुरेन फुकन के घर का घेराव करते हुए आदिवासी छात्र संघ ने आवाज बुलंद की। आदिवासी छात्र संघ ने कहा कि हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो पंचायत चुनाव में हम भाजपा का बहिष्कार करेंगे, क्योंकि सरकार लंबे समय से सिर्फ वार्ता कर मामले को रफा-दफा कर देती है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस बार पंचायत चुनाव में आदिवासी समाज अपनी ताकत भाजपा को दिखाएंगे। हालांकि, मौके पर सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। हालांकि, बताया गया है कि उस समय विधायक अपने आवास पर नहीं थे।

नलबाड़ी में 130 लोग कांग्रेस में शामिल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आज 130 लोग औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल होने वालों में अधिकांश लोग तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता थे। इस दौरान असम गण परिषद के कुछ सदस्यों ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली। तृणमूल कांग्रेस छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद रिपुन बोरा तथा भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए अशोक शर्मा के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए रिपुन बोरा ने सोनापुर में चलाए गए बेदखल अभियान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद विवाद पैदा किया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने बेदखली पर अदालत के फैसले की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि बेदखली अभियान में मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिये। उन्होंने ऑनलाइन ट्रेडिंग विवाद पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति में लगी कांग्रेस : दिलीप सैकिया

चिरांग (हिंस)। भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने सोनापुर में चलाए गए बेदखल अभियान को लेकर कांग्रेस पार्टी की सांप्रदायिक नीति की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का भविष्य अब मूलनिवासियों के हाथ में नहीं है। कांग्रेस पार्टी इस समय सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और धार्मिक भावनाएं भड़काकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। पार्टी में सांप्रदायिक राजनीति एक बड़ा मुद्दा बन गया है। केवल धार्मिक अल्पसंख्यक विधायक या सांसद ही ऐसा नहीं कर रहे हैं, जिन्हें सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त है, वे भी इसी प्रकार की राजनीति में लगे हैं। गौरव गोगोई या देवब्रत सैकिया भी इससे अछूते नहीं हैं। चूंकि ये दोनों कांग्रेस नेता अहोम समुदाय से हैं, इसलिए उन्हें मूलनिवासियों के हितों के लिए काम करने वाली भाजपा का समर्थन करना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। उनसे ऐसी उम्मीद करना भी गलत है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि उन्होंने आजादी के बाद से एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति जारी रखी है। वे आज भी उसी तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखे हुए हैं। सांसद आज चिरांग के बासुगांव नगरपालिका हॉल में आयोजित एक विशेष सदस्यता कार्यक्रम में बोल रहे थे।

डॉ. स्वर्गियारी ने स्वच्छ और हरित बीटीआर के लिए सामूहिक कार्रवाई का किया आह्वान

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी कार्यकारी सदस्य डॉ. निलुट स्वर्गियारी ने आज लालपूल में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 23वीं बटालियन द्वारा रौता टाउन में आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में सार्वजनिक स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था। स्वच्छता अभियान का उद्घाटन करते हुए डॉ. स्वर्गियारी ने सार्वजनिक स्वच्छता और सफाई में सुधार के लिए बीटीआर सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने स्वच्छ और हरित वातावरण को बढ़ावा देने में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। और हरित वातावरण केवल सौंदर्य के बारे में नहीं है; यह शारीरिक, सामाजिक और मानसिक विकारों से मुक्त स्वस्थ, व्यवस्थित समाज के लिए मौलिक है। सार्वजनिक स्वच्छता जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है, और अपने आस-पास के वातावरण को पोषित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा। डॉ. स्वर्गियारी ने आगे कहा कि हमारी बीटीआर सरकार सार्वजनिक स्वच्छता को बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और मैं सभी नागरिकों से स्वच्छ बीटीआर के निर्माण में हमारे साथ हाथ मिलाने का आग्रह करता हूं।

हिंदी दिवस पर विद्या भारती पूर्वोत्तर ने *ईशान्य विभा* का किया विमोचन

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर प्रकाशित ई-पत्रिका ईशान्य विभा का ऑनलाइन विमोचन 14 सितंबर 2024 को किया गया। इस विशेष आयोजन में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रभाशंकर शुक्ल, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, और क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधुरी उपस्थित रहे। विमोचन कार्यक्रम के साथ एक ऑनलाइन संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी भाषा के महत्व पर चर्चा हुई। पत्रिका में पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में हिंदी के योगदान को प्रमुखता से रखा गया है। इसमें छात्रों, शिक्षकों और कार्यकर्ताओं द्वारा भेजी गई कविताएं, कहानियां, लेख, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण आदि संकलित हैं। पत्रिका के डिजाइन और आवरण पृष्ठ का निर्माण विद्या भारती प्रचार विभाग के क्षेत्रीय संयोजक विकाश शर्मा ने किया, जबकि उनके साथ संपादन कार्य कार्यालय सचिव लालजी सोनारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मिलन रानी जमातिया सहित अरुणाचल से जोरम आनिया व अन्य हिंदी सेवी संगोष्टी में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ. पवन तिवारी ने कहा, भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां विभिन्न प्रकार की वेशभूषा, भोजन, भाषाएं और परंपराएं मौजूद हैं। हिंदी इन विविधताओं के बीच एकता का सेतु है, जो पूरे देश को जोड़ती है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक और कच्छ से किबिथु तक, हिंदी ने जनसंवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर अपनी पहचान बनाई है। कुलपति प्रो. प्रभाशंकर शुक्ल ने ई-पत्रिका ईशान्य विभा के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए विद्या भारती के कार्यों की सराहना की।

रंगिया : जलझूलनी एकादशी पर निकली ठाकुरजी की पालकी

रंगिया (विभास)। रंगिया शहर के मध्य स्थापित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर में वर्षों पुरानी परम्परा के अनुसार भादप्रद मास के शुक्लपक्ष की एकादशी को यानी जलझूलनी एकादशी के मौके पर शनिवार को मंदिर प्रांगण से यशोदा मैया और भगवान श्री कृष्ण की पालकी निकाली गई। इस मौके पर ठाकुरजी को फूलों से सुसज्जित पालकी में विधिवत रूप से विराजमान कर भक्तों द्वारा गाजे बाजे और भक्तिभाव के साथ मंदिर प्रांगण से प्रारंभ कर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए स्थानीय छठपूजा घाट स्थित बरौलिया नदी के तट पर लाया गया। जहां मंदिर के महंत पुजारी श्री गोपाल शर्मा ने नदी से जलभर मंत्रोच्चार के साथ ठाकुरजी को स्नान कराया तथा इस मौके पर विधिवत रूप से पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात भगवान की आरती उतारी गई और प्रसाद अर्पित किया गया। भक्तों ने भगवान के दर्शन करते हुए गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो के जयकारों के साथ वातावरण को गुंजायमान किया और गाजे-बाजे के साथ भगवान की पालकी को पुन: मंदिर प्रांगण लाया गया। इस दौरान मार्ग में कई भक्तों ने भगवान के दर्शन करने के अलावा पालकी के नीचे से निकलकर अपने परिवार और समाज में खुशहाली की कामना की।

इथेनॉल प्लांट से गिरकर मजदूर की मौत, दो की हालत गंभीर

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के सिपाझाड़ में निर्माणाधीन इथेनॉल प्लांट के ऊपर से गिर जाने के कारण शनिवार को एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आज सुबह करीब 8.40 बजे हुई, जब ऊंचाई पर काम कर रहे तीन मजदूर नीचे गिर गए। इनमें से एक मजदूर सरीफुल इस्लाम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गिरने से घायल हुए दो मजदूरों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना को लेकर वहां कार्यरत अन्य मजदूर उत्तेजित हो गए। मजदूरों ने आरोप लगाया कि ऊपर चढ़कर काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा का ध्यान प्रबंधन द्वारा नहीं रखा गया है। मजदूरों ने मारे गए तथा घायल हुए मजदूरों को क्षतिपूर्ति देने की मांग की है।

सामाजिक-सांस्कृतिक-शैक्षणिक विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है : प्रोमोद बोड़ो

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। हमारी बीटीआर सरकार बीटीआर के भीतर सभी समुदायों के सामाजिक-सांस्कृतिक और शैक्षिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है, बीटीसी सीईएम प्रोमोद बोड़ो ने कहा। तामुलपुर जिले के नागरीजुली चाय बागान में नुवाखाई रंगा मंच भवन के शिलान्यास समारोह के दौरान, बोड़ो ने जोर देकर कहा कि हम पूरे बीटीआर में शैक्षिक और सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के लिए समर्पित हैं। सीईएम प्रोमोद बोड़ो ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नया भवन जिले के सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जो बीटीआर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाद में, सीईएम बोड़ो ने उदालगुड़ी जिले के पैनरी कॉलेज में अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण की आधारशिला भी रखी। नई कक्षाएं कॉलेज के शैक्षिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी और छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को बेहतर बनाएंगी। समारोह में डिप्टी सीईएम गोबिंदा चंद्र बसुमतारी, बीटीसी ईएम संजीत तांती और विल्सन हस्दा, और एमसीएलए दिलीप कुमार बोड़ो, अर्पणा मेधी और माधव चौधरी छेत्री के साथ-साथ पैनेरी कॉलेज के प्रिंसिपल, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

बलात्कार के आरोप में शिक्षक चढ़ा पुलिस के हत्थे

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के गणेश्वर इलाके में स्थित शुल्का एमई स्कूल के एक शिक्षक को महिला के साथ बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि एमई स्कूल के बीएससी शिक्षक सोनेश्वर स्वर्गियारी को विद्यालय की एक महिला कर्मचारी के साथ बलात्कार किए जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित महिला द्वारा स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने शिक्षक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी 10 सितंबर को महिला को उसके घर से जोर जबरदस्ती कार में उठाकर ले गया। महिला द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस गिरफ्तार शिक्षक से सघन पूछताछ कर रही है।

एडीआरई भर्ती परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी

कोकराझाड़ (विभास)। असम सरकार ने कल होने वाली एडीआरई या चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। परीक्षा केंद्रों को खूबसूरती से सजाया गया है। सरकारी नियमानुसार केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। फकीराग्राम हायर सेकेंडरी स्कूल में 1006 उम्मीदवार, शक्तिआश्रम हायर सेकेंडरी एंड टेक्निकल स्कूल में 1006 उम्मीदवार और स्वामी योगानंद गिरि कॉलेज में 802 उम्मीदवार परीक्षा में बैठेंगे।

पानी में तैरते हुए मिला शव

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के लेखापानी तीन माईल इलाके से एक व्यक्ति का शव बरामद किए जाने का मामला शनिवार को सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति का शव पानी में तैरते हुए देखे जाने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को पानी से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

No.SLRC-G-HI/9 1/Advertisement/2023/36,

PRESS RELESE

(PUBLIC APPEAL)

This is for information to the general public that the written examination for Class-III posts of HSSLC level under the State Level Recruitment Commission for Class-III Posts will be held on **15th September,2024.** The Board of Secondary Education, Assam (SEBA) will conduct the examination on behalf of the Commission. A whopping **11,23,204** number of candidates shall appear for the examination in as many as **2305** examination centres spread across the state of Assam.

With a view to holding the examination in a free, lair and transparent manner and to select the best candidates purely on merit, Government of Assam has made elaborate arrangements for the examination. However, it has been observed on many such earlier occasions in our State as well as in other States that some unscrupulous elements resorted to unfair means using different Mobile Applications such as Facebook, WhatsApp. X(Twitter). Telegram and Youtube etc. which are based on internet/Wi-Fi connectivity. There exists a substantial apprehension that the anti-social elements or the organized groups shall try to take the advantage of the situation by resorting to rumour-mongering through social media and may try to destabilize the process of examination. Some even may try to sell fake question papers using different social media platforms.

We fervently appeal the general public not to believe in such anti-social news and also not to fall prey to such fake news.

To ensure that there remains no loopholes in the examination process which might have the potential to create doubt in the public mind on the fairness of the recruitment process, the Government of Assam has taken necessary steps to temporarily disable the Mobile internet/Mobile data/Mobile Wi-Fi connectivity on **15th September,2024 from 10.00 A.M. to 1.30 P.M.**

All are requested to bear with the inconvenience in the interest of holding a free, fair and transparent recruitment examination and thereby securing the future of the youths of the State.

Secretary,

State Level Recruitment Commission for Class-III Posts

AASC, Khanapara, Guwahati-781022.

-- Janasanyog

/D/5818/24/15-Sep-24

होजाई : *अपना मंच* ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हिंदी दिवस का आयोजन किया

होजाई (निसं)। हिंदी महज एक भाषा नहीं बल्कि हृदय का आवेग है। हिंदी हमारी रग-रग में शामिल है। हिंदी हमारा उल्लास है। हमारा हर दुख हर सुख हिंदी से ही परिलक्षित होता है। उक्त बातें रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रधान डॉ. मनोज कुमार स्वामी ने हिंदी दिवस के उपलक्ष पर अपना मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहीं। गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल के सभागार में आयोजित सभा की अध्यक्षता समाजसेवी गजानंद अग्रवाल की। उक्त कार्यक्रम में अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे डॉ. मनोज कुमार स्वामी और होजाई बालिका महाविद्यालय के बंगला विभाग के प्रधान डॉ. पिजुष नंदी। इसके साथ ही मंच पर गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक आलोक कुमार गुप्ता, सेवानिवृत अध्यापक सर्वेश्वर पाठक, समाजसेवी शिवशंकर बोरा, हिंदी के शिक्षक दामोदर मिश्र, समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार रमेश मुंदड़ा, समाजसेवी प्रवीण सरावगी। कार्यक्रम का संचालन गांधी विद्यापीठ हाई स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक राजीव कश्यप गुप्ता, मधु अगरवाला व अपना मंच के संस्थापक निखिल कुमार मुदड़ा ने की। वही मुदड़ा ने उद्देश्य की व्याख्या करते हुए हिंदी दिवस के उपलक्ष पर आयोजित कार्यक्रम पर प्रकाश डाला व अपना मंच की स्थापना कल से लेकर अब तक की कार्यक्रमों की जानकारी सभी को दी। कार्यक्रम का शुभप्रारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों व शिक्षकों का असमिया फूलंम गमछा व उपहार देकर सम्मान किया गया। समारोह में डॉ़ मनोज कुमार स्वामी ने हिंदी दिवस के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी को यदि उसका मान और सम्मान लौटाना है तो हमें हिंदी को आत्मसात करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस दिन इस देश में हिंदी को मिट्टी के साथ-साथ रोटी से भी जोड़ा जाएगा उस दिन हिंदी का अस्तित्व वापस लौट आएगा। हिंदी हिंदुस्थान का मान है इसलिए हमें हिंदी बोलने में शर्म नहीं बल्कि गर्व महसूस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हमें हिंदी का प्रचार प्रसार करना है तो हमें हमारी क्षेत्रीय भाषाओं को भी हिंदी के समान अपनाना होगा क्योंकि हमारी क्षेत्रीय भाषा हिंदी से ही निकली हुई भाषाएं हैं। उन्होंने आगे इस दिवस की विस्तृत जानकारी सभो से साझा की। इस दौरान डॉ. पिजुष नंदी ने व्यावहारिक जीवन में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कई बार जीवन में ऐसी परिस्थितियां आ जाती है जब न तो अंग्रेजी से काम चलता है और न ही आंचलिक भाषा से। ऐसे विकट समय में हिंदी सम्पर्क भाषा के रूप अपनी मुक्कमल भूमिका का निर्वाह कर विचारों के आदान प्रदान में सहायक सिद्ध होकर स्वयं अपने महत्व को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रचार प्रसार सिर्फ हिंदी स्कूल तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए इसे गैर हिंदी जगहों पर भी इसका प्रचार प्रसार होना चाहिए, तब कहीं जाकर हिंदी दिवस सार्थक होगा। गजानंद अग्रवाल ने भी हिंदी के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हिंदी दिवस का आयोजन करना अपने आप में प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा हिंदी हिंदुस्थान की मातृभाषा ही नहीं यह राष्ट्र की अस्मिता और गौरव का भी प्रतीक है। पर यह विडंबना है कि हिंदी के विकास के लिए आज हमें हिंदी दिवस का उद्यापन करना पड़ रहा है। हम तन से तो भारतीय हैं पर हमारी आत्मा अंग्रेजी है। जिस दिन हम अपनी आत्मा से अंग्रेजी को निकाल कर उसमें हिंदी को बसा लेंगे तो हमें हिंदी दिवस आयोजित करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आलोक कुमार गुप्ता ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला व विद्यालय में इस आयोजन हेतु अपना मंच की प्रशंसा की। वही प्रश्न उत्तरी कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजीव कश्यप गुप्ता व रमेश मुदड़ा ने बखूबी से किया।

संपादकीय

मरीजों की फिक्र

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा। निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है। निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है।

राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है।

उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं

राहुल गांधी की सत्ता के लिए व्यग्रता और नेहरू

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं।

इस बार राहुल गान्धी भारत के प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। इस वाक्य को एक दूसरे प्रकार से भी कहा जा सकता है कि इस बार कुछ देशी-विदेशी शक्तियां राहुल गान्धी को आगे करके, उनकी आड़ में अपनी व्यक्तिगत या अन्य प्रकार की स्वार्थ सिद्धि प्राप्त करना चाहती थीं। इसके लिए उन सब ने मिल कर पूरा जोर भी लगाया। लेकिन दुर्भाग्य से उनकी योजना या इच्छा पूरी नहीं हुई। वैसे केवल स्पष्टीकरण के लिए राहुल गान्धी को प्रधानमंत्री बनाने के पीछे देशी और विदेशी ताकतों का उद्देश्य अलग भी होता है। देशी शक्तियां या फिर वे लोग जो राहुल गान्धी को घेरे हुए हैं, उनका स्वार्थ तो ज्यादा से ज्यादा उतना ही होता है कि राहुल प्रधानमंत्री होंगे तो सत्ता में कुछ हिस्सा उनको भी नसीब होगा। इसलिए इसको व्यक्तिगत स्वार्थ ही कहा जा सकता है। लेकिन विदेशी शक्तियों का मामला दूसरा है। उन्होंने भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए, अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं। भारत को तोड़ने के संकल्प लिए जाते हैं। उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं। उत्तरी अमरीका के इन दोनों देशों की सांस्कृतिक, मजहबी और राजनीतिक पृष्ठ इंग्लैंड से जुड़ी रहती है, क्योंकि ब्रिटिश उपनिवेशों को संगठित करके ही इन देशों का गठन हुआ था।

अपने समय में इंग्लैंड सरकार भी, देश छोड़ने से पहले भारत को विभाजित करने वाली ताकतों को संगठित कर रही थी। इसके लिए मोहम्मद अली जिन्ना उसके मोहरे बने हुए थे। लेकिन ब्रिटिश सरकार जानती थी कि कांग्रेस को विश्वास में लिए बिना देश को विभाजित नहीं किया जा सकता। अन्ततः कांग्रेस इंग्लैंड के माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के चंगुल में फंस ही गई और उसने बाकायदा दिल्ली में पार्टी की विशेष बैठक बुला कर 14 जून 1947 को भारत विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। उस समय पंडित जवाहर लाल नेहरू की उम्र 57 साल के आसपास थी।

बहुत से इतिहासकार आज भी इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं कि आखिर खान अब्दुल खान के सख्त विरोध के बावजूद नेहरू भारत विभाजन के पक्ष में कैसे खड़े हो गए? इसका उत्तर नेहरू ने स्वयं ही परोक्ष रूप से दिया है। उनका कहना था कि यदि हम भारत विभाजन के लिए सहमत न होते तो बीस-पच्चीस साल तक और संघर्ष करना पड़ता, जेलों में जाना पड़ता, लेकिन हमारी उम्र इतनी हो गई थी कि इतने लम्बे काल तक संघर्ष करना सम्भव नहीं था। यानी तब तक नेहरू की उम्र लगभग 90 साल की हो जाती। देश बंटने से भी बच जाता और आजाद भी हो जाता, लेकिन 90 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री नेहरू न हो पाते, कोई दूसरा कांग्रेसी होता, यह नेहरू को स्वीकार नहीं था। इसलिए उन्होंने सत्ता की खातिर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। बाबा साहिब अंबेडकर कांग्रेस की या नेहरू की इस मंशा को शुरू में ही समझ गए थे, इसलिए उन्होंने दशकों पहले कह दिया था कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के लिए लड़ रही है। लगता है इतिहास आज फिर अपने आपको दोहराता हुआ उसी मोड़ पर पहुंच गया है। 2004 के आम चुनाव में भाजपा की पराजय हुई और कांग्रेस ने डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई। वे 2014 तक प्रधानमंत्री रहे। कहा जाता है, उनकी सरकार में सत्ता व नीति के सूत्र सोनिया माईनो गान्धी के पास रहते थे।

जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने, उस समय राहुल गान्धी की उम्र 32-33 साल के आसपास थी। तब इस राज परिवार को स्वयं ही लगा होगा कि इतनी कम उम्र में भारत जैसे विशाल देश का प्रधानमंत्री बनना राहुल गान्धी के लिए सम्भव नहीं होगा। इटली होता तो अलग बात थी। उसके बाद मौका 2009 में आया। उस समय राहुल भी 37 साल के हो गए, लेकिन यह उम्र भी कम ही थी। इसलिए मनमोहन सिंह को ही प्रधानमंत्री बनाए रखना श्रेयस्कर माना गया। उस समय मनमोहन सिंह ने कहा भी था कि फिलहाल राहुल गान्धी मंत्रीपद ले लें ताकि उन्हें प्रशासन का अनुभव भी हो जाए। लेकिन मंत्री बनना शायद इस परिवार को अपमानजनक लगा होगा। मनमोहन सिंह जी ने तो यहां तक भी कह दिया था कि जब मुझे कहा जाएगा, मैं राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री का पद छोड़ दूंगा। लेकिन मात्र 37 साल की उम्र आड़े आ रही थी। इस राज परिवार का दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि जब राज परिवार को लगा कि 2014 में राहुल गान्धी 44 साल के वयस्क हो जाएंगे और प्रधानमंत्री पद पर उनकी ताजपोशी कर दी जाएगी (उनके पिता 40 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे), तब भारत ने भाजपा को जिता ही नहीं दिया, कांग्रेस को 543 सीटों वाली लोकसभा में महज 44 सीटों पर पहुंचा दिया। लेकिन तभी से राज परिवार किसी भी तरह देश की सत्ता पर कब्जे के लिए व्यग्र हो गया।

वर्ष 2019 में राहुल गान्धी की उम्र पचास के आसपास पहुंच गई, लेकिन लोकसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 44 से बढ़ कर पचास-पचपन से ज्यादा नहीं बढ़ पाई। वर्ष 2024 तक आते-आते राज परिवार की सत्ता प्राप्ति के लिए व्याकुलता इतनी बढ़ी की मुस्लिम लीग तक से समझौता कर लिया। केजरीवाल तक को नमन किया। राहुल गान्धी की उम्र पचपन को छू गई, लेकिन कांग्रेस सांसदों की संख्या सौ को नहीं छू पाई। इतिहास 1947 के मोड़ पर ही पहुंच गया है। उस वक्त पंडित जवाहर लाल नेहरू की उम्र 57 साल की थी और उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के लिए लार्ड माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के मोहरे बन कर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था। अब उन्हीं के वंशज राहुल गान्धी उम्र के उसी मोड़ पर पहुंच गए हैं। वर्ष 2029 को जब अगले लोकसभा चुनाव होंगे, तो उनकी उम्र साठ साल के आसपास हो जाएगी। राज परिवार में भूकम्प आ रहा है। कांग्रेस के राजकुमार राहुल गान्धी अमरीका जाकर सिखों को बता रहे हैं कि भारत में उनकी पगड़ी, कड़ा और गुरुद्वारा संकट में हैं। भारत को तोड़ने वाली तमाम देशी-विदेशी ताकतों ने राहुल के इस कथन को उदाहरण बना लिया है।

दृष्टि कोण

नशे से दूरी के लिए फिटनेस है रामबाण

किसी भी सभ्यता या देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार स्कूलों व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। इसलिए विद्यालय स्तर पर माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोड़ना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक, दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। इस विषय पर इस कॉलम के माध्यम से पहले भी अनेकों बार अभिभावकों व विद्यालय प्रशासन को सचेत किया गया है कि अपने विद्यार्थी बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अब तो सोच कर कुछ हल निकालो। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य था। इस सबके पीछे कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की दूरगामी सोच थी। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाड़ियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। नब्बे का दशक चलते ही हिमाचल प्रदेश में खेलों के लिए तत्कालीन खेल मंत्री रामलाल ठाकुर ने शुरुआती दौर में अच्छा कार्य किया था। प्रेम कुमार धूमल ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय खेल ढांचा, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा प्रशिक्षकों की नियुक्ति करके खेलों को गति दी। जयराम सरकार में पहले गोविंद ठाकुर व बाद में राकेश पठानिया ने खेल मंत्री रहते हुए नयी खेल नीति दी जिसमें काफी आकर्षक नगद ईनाम रखे हैं। अब सुक्खू सरकार ने कुछ ईनामों में और सम्मानजनक बढ़ोतरी कर दी है। अच्छा होता राज्य में प्रशिक्षक भी भर्ती होते क्योंकि खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा, मगर सरकार तो ठेके पर मजदूर की दिहाड़ी पर अब प्रशिक्षक व अन्य कर्मचारी नियुक्त कर रही है। जब लाखों बच्चों के लिए फिटनेस कार्यक्रम बनेगा, तो उसमें से ही फिट नागरिक प्रदेश को मिलेंगे। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है।

कुछ अलग

ये बैरिकेड क्यों टूटे

पौंग गोविंद सागर और कोल डैम में डूबे अब एक मस्जिद के सामने अपनी संवेदना, अपना उबाल प्रकट करने लगे हैं। अब मामला अतिक्रमण से ऊपर कानून के मजहब से और भी ऊपर जा पहुंचा है और जहां एक अवांछित कुरुक्षेत्र संजौली की छाती पर छेद कर गया। यह नजारा किसके मनमाफिक रहा और किसे डरा गया। क्या चोट खाए अमन के लिए पुलिस कर्मियों का घायल होना सबूत नहीं कि कहीं आपसी वैमनस्य के पेड़ हरे हो रहे हैं या कसूर उस बैरिकेड का जो जनाक्रोश की आंधी से टूट गया और हारा तो वहां वो मुसाफिर भी, जो ईंट और पत्थरों के बीच फंसे गारे में पल भर के लिए धंस गया। हमने इस बहाने कुछ बीज बो दिए। कल ये उगेंगे और इस तरह नफरत के बीज फैलेंगे इस धरती पर इससे जो पहले कभी लाल न थी। मसले के कारण अनेक हो सकते हैं, शंकाओं के बादल अनेक हो सकते हैं, लेकिन इस दौर तक हम कैसे पहुंचे, यह देखना होगा। इन अवैध मंजिलों के बारिस वे भी हैं, जो व्यवस्था में रह कर व्यवस्था को कुतर रहे हैं। ये सारी दीवारें मौजूदा सरकार में नहीं चढ़ीं और न ही इसके विरोध में खड़े सभी लोग केवल धार्मिक संगठन थे, लेकिन दरारें पर पांव रखकर हम ऐसे मुद्दों के प्रति न्याय नहीं कर सकते। मस्जिद की फाइल पूर्व की कई सरकारों की शिकायत कर रही है, लेकिन अब बुधवार के घटनाक्रम ने बता दिया कि कब और किस मंजिल पर बैरिकेड टूट सकते हैं। विरोध, व्यवस्था, कानून और समाज के बीच खड़ी मस्जिद न तो यहां धर्म की प्रतीक बन कर लड़ाई का सबब बन सकती और न ही यह धार्मिक युद्ध क्षेत्र होना चाहिए। दरअसल मस्जिद का अवैध, अवांछित और गैर जरूरी विस्तार आंखों में धूल झौंकता रहा है, लेकिन मजहब की लाल आंखें हमारी परंपराओं से परे हैं। विरोध में समूह भी है और समुदाय भी। समूह यह देख रहा है कि कौन धोखा-कौन फरेब कर रहा है और समुदाय यह देख रहा है कि संप्रदाय क्या कर सकता है या कर चुका है। इन दोनों ही परिस्थितियों के बीच सरकार की भूमिका अहम हो जाती है। जाहिर है सियासत के अपने पैमाने हैं और ये बार-बार हिमाचल को उद्वेलित कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस में हिमाचल की शांता कुमार सरकार को भले ही कुर्बान होना पड़ा था, लेकिन यहां के हिंदू बहुसंख्यक समाज ने धर्म के आधार पर इस हुकूमत की वापसी नहीं होने दी थी। बहरहाल अब सियासत का परिदृश्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही राष्ट्रीय उद्बोधन। देश में बहुसंख्यकवाद के अलख जिस माहौल को जागृत कर रहे हैं, वहां समुदायों के बीच संवाद की गुंजाइश कम होती जा रही है और इसकी गूंज सोशल मीडिया के हर दायरे में परवान चढ़ चुकी है। इसी परिप्रेक्ष्य में संजौली का सैलाब केवल एक दिन की घटना नहीं, बल्कि आने वाले घटनाक्रम को आहूत कर रहा है। कुछ धार्मिक पहचान के शूल आंखों में खटक रहे हैं, तो नए मुद्दों के समीकरण प्रदेश की व्यापारिक गतिविधियों में भी देखे जा रहे हैं। मस्जिद एक पूजास्थल से आगे बढ़ कर अगर किसी शक्ति को प्रमाणित कर रही है या हर मंजिल पर चढ़ता सरिया प्रायोजित हो रहा है, तो परिवेश की चिंताओं को सुलगाने में एक तीर ही काफी है। संजौली का हुजूम पारंगत तथा प्रतिज्ञा के साथ सरकार से चुनौती भरी शिकायत कर रहा है और इसलिए प्रदर्शन के दूसरे दिन बाजार बंद का आयोजन बता चुका है कि मामले को सीधा देखा जा रहा है। ऐसे में प्रदेश सरकार को इस बवाल से बाहर निकलने के लिए कानून की लाठियां लंबी करनी पड़ेंगी, लेकिन भाषा की मर्यादा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के दायरे और पुष्ट करने होंगे।

देश दुनीया से

आंतरिक सुरक्षा के लिए सबक है मणिपुर संकट

जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा। जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई है। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं। मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है। इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा। जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई है। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं। मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं। सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए। उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी। लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है। राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा। आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी। कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है। मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है। इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है। कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है। पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्ध सत्य पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया। कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं। दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं। फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है। चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं। चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है। गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया था-एक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था। जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए। उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार' है। यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है। निस्संदेह, पूर्वोत्तर भारत की नाजुक रग है। कई शक्तिशाली देशों की भारत को कमजोर करने में दिलचस्पी है। केंद्र सरकार द्वारा सालों तक पूर्वोत्तर, विशेषकर मणिपुर, की उपेक्षा करना एक तथ्य है। पिछले साल शुरू हुए संघर्ष को ढंग से नियंत्रित करने में विफलता ने दुश्मनी निभाने वाली शक्तियों को उत्साहित किया है। इसलिए ये तत्व अब पूर्वोत्तर के अलावा संपूर्ण भारत को अस्थिर करने के लिए एकजुट होने लगे हैं। मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है। अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नजर रखे हुए होंगे। ये इंतजार में होंगे कि देखें भारत इससे कैसे निपटता है।

आप का नजरीया

कहां है पगड़ी पर पाबंदी?

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष का प्रथम चेहरा...। हम पहले भी लिख चुके हैं कि ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है, क्योंकि प्रधानमंत्री के बाद उसी ही सर्वाधिक समर्थन और बहुमत हासिल होता है। लिहाजा हम बार-बार उनके कथनों, गलत तथ्यों और भारत-विरोध के मद्देनजर सवाल नहीं उठाना चाहते। प्रधानमंत्री मोदी ने भी जब विदेशी जमीं पर या संसद के भीतर अथवा चुनाव प्रचार के दौरान आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणियां की हैं, तो मीडिया में उनकी पर्याप्त आलोचना की गई है, लेकिन यह नहीं हो सकता अथवा यह कुतर्क है कि प्रधानमंत्री ने विदेश में भारत का अपमान किया है, तो नेता प्रतिपक्ष भी देश की प्रतिष्ठा पर कालिख पोतने की कोशिश करेंगे। यह राहुल गांधी की राजनीति है अथवा वह वाकई भारत को बेइज्जत करने पर आमादा रहते हैं, लेकिन यह तय है कि वह अक्सर गलत, भ्रामक तथ्य पेश करते रहे हैं। ताजा संदर्भ सिखों का है। अमरीका प्रवास के दौरान उन्होंने मंच से एक सिख नौजवान का नाम पूछा और फिर आशंका जताई कि सिख भारत में पगड़ी और कड़ा पहन पाएंगे या नहीं! वे गुरुद्वारे में प्रवेश पा सकेंगे या नहीं! दरअसल राहुल की यह सवालिया आशंका ही निर्मूल है, क्योंकि भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। कहीं भी पगड़ी, कड़े पर पाबंदी नहीं है। राहुल ने दावा किया कि वह यह लड़ाई लड़ रहे हैं। सवाल है कि किसके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि ऐसे हालात ही नहीं हैं। भारत में प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' के आतंकी नेता पन्नू ने राहुल गांधी के इस बयान को 'बोल्ड' करार दिया और उनका समर्थन भी किया। पन्नू अमरीका और कनाडा में सक्रिय है। यदि वह भारत आता है, तो फांसी तक की सजा दी सकती है, उसके खिलाफ इतने और ऐसे केस दर्ज हैं। यहां भी सवाल है कि क्या राहुल भारत में 'खालिस्तान' बनाने की मांग की पुष्टि करते हैं? क्या ऐसी ताकतों के समर्थन में ही वह जहर उगलते रहे हैं? देश का कैसा दुर्भाग्य है कि ऐसा नेता प्रतिपक्ष मिला है, जो 'खालिस्तानी खाड़कुओं' के साथ खड़ा है और उनकी ही पैरोकारी करता है? शायद राहुल गांधी 1984 का वह दौर भूल गए हैं, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री एवं उनकी आदरणीय दादी इंदिरा गांधी की हत्या, प्रधानमंत्री आवास में ही, कर दी गई थी। प्रतिक्रिया में देश में सिख-विरोधी दंगे भड़काए गए थे। वास्तव में वे नरसंहार ही थे, जिनमें करीब 3000 सिखों की हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस के तत्कालीन नेता सज्जन कुमार बीते कई सालों से जेल में हैं और पूर्व मंत्री जगदीश टायटलर पर केस चलेगा। गांधी परिवार ने आज तक सिखों से सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी। उस दौर के कुछ अपवाद हमने अपनी आंखों से देखे हैं, जब सिखों के एक वर्ग को अपने केश कटवाने पड़े थे, लिहाजा पगड़ी भी नहीं पहनी गई थी। सिखों के केश पकड़ कर भीड़ उन्हें ऐसे झुलाती थी मानो किसी खिलौने से खेल रहे हों! सिखों ने ऐसी शारीरिक और मानसिक यंत्रणाएं झेली हैं कांग्रेस शासन के दौरान! इसके बावजूद सिख भारत के साथ एकजुट खड़े रहे, मुख्यधारा में रहे और यहां तक कि कांग्रेस को भी समर्थन दिया।

आईआईएम-आईआईटी की तर्ज पर देश में खुलेंगे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अकाउंटिंग

कोटा (हिंस)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय एवं इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन द्वारा अकाउंटिंग एवं फाइनेंस पर उदयपुर में 13 व 14 सितंबर को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आयाजित की गई। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि महिला विकास राज्य मंत्री प्रो. मंजू बाघमार एवं विशिष्ट अतिथि वीएमआयू कोटा के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी, जनार्दन नगर विद्यालय के कुलपति प्रो. सारंग देवत, हायर एजुकेशन कार्उंसिल के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो.चुंडावत एवं पूर्व डीन प्रो. के आर शर्मा रहे। सत्र की अध्यक्षता मोहनलाल सुखाड़िया विद्यालय की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने की। कांफ्रेंस में देश-विदेश के प्रतिभागियों ने 150 शोध पत्र प्रस्तुत किए। भारत के 18 राज्यों से शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस के तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता कोटा यूनिवर्सिटी के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग की एचओडी डॉ. मीनू माहेश्वरी ने बताया कि मोदी सरकार ने 30 मार्च 2022 को लोकसभा में बिल पारित कर देश में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ अकाउंटिंग (आईआईए) स्थापित करने की घोषणा की है। जिस पर पैनल गठित कर तेजी से कार्य चल रहा है। देश में लेखांकन के विकास एवं उन्नति में यह मील का पत्थर साबित होगा। नेशनल इंस्टीट्यूट के माध्यम से कॉमर्स के लाखों विद्यार्थियों के लिए अकाउंटिंग में शोध के नए क्षेत्र सामने आएंगे और नई तकनीक से उनको रोजगार के नए अवसर भी मिल सकेंगें। डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि वैश्विक वित्तीय प्रणाली में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं आज लेखांकन सिस्टम सिंगल एंट्री, डबल एंट्री से ट्रिपल एंट्री की ओर बढ़ रहा है। सोशल एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग पर जोर हो रहा है। एनवायरमेंट, सस्टेनेबिलिटी गवर्नेंस रिपोर्टिंग की जा रही है, जिसमें आर्थिक सामाजिक गवर्नेंस पैरामीटर पर रिपोर्टिंग की जा रही है। डॉ. मीनू माहेश्वरी ने कहा कि अकाउंट्स क्षेत्र में सबसे बडी चुनौती डेटा मैनेजमेंट की है। कॉर्पोरेट कंपनियां, उद्यमी, व्यवसायी सॉफ्टवेयर द्वारा बड़ी मात्रा में डेटा संग्रहित करते हैं लेकिन इस महत्वपूर्ण डेटा को इंटीग्रेशन करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से भी अकाउंट्स के क्षेत्र में नए बदलाव आ रहे हैं। वर्तमान में जब कंप्यूटराइज्ड अकाउंटिंग एआई बेस्ड हो रही है तो आवश्यक है कि स्टूडेंट्स व शोधार्थी अपने शोध को अकाउंटिंग टेक्नोलॉजी, एडवांस टेक्नोलॉजी, एआई से लेखांकन कार्य करें। उन्होंने लेखांकन एवं वित्त क्षेत्र में नवाचारों पर शोध करने का आव्हान किया। इसके लिये प्रॉडक्ट लेखांकन, सस्टेनेबल अकाउंटिंग एवं रिपोर्टिंग, हरित एवं पर्यावरणीय लेखांकन, जलवायु परिवर्तन लेखांकन की आवश्यकता पर जानकारी दी। साथ ही, कॉरपोरेट गवर्नेंस, क्रिया आधारित लागत लेखांकन, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिट, बैलेन्स स्कोर कार्ड, एकीकृत लेखांकन एवं एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग, फॉरेंसिक अकाउंटिंग, आईएफआरएस आदि में शोध करने पर फोकस किया। वक्ताओं ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में एथिक्स इन अकाउंटिंग, कॉग्निटिव अकाउंटिंग, लीन अकाउंटिंग, ह्यूमैनिटेरियन अकाउंटिंग, क्लाउड बेस्ड अकाउंटिंग, मोबाइल अकाउंटिंग, बिहेवियरल फाइनेंस, फिन टेक, बिग डाटा एनालिसिस सहित ब्लॉकचेन एवं क्रिप्टो करेंसी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लेखांकन एवं वित्त क्षेत्र में अनुप्रयोगों के लिये अधिक शोध करने पर जोर दिया। तकनीकी सत्र के अध्यक्ष पूर्व डीन एवं हेड प्रो. पीके सिंह तथा सह अध्यक्ष प्रो.मीरा माथुर डायरेक्टर एफएमएस रही। कांफ्रेंस में डॉ. मीनू माहेश्वरी एवं डॉ. अशोक गुप्ता के निर्देशन में शोधार्थी प्रज्ञा गोद हेमलता तक प्रियंका दहिया ने अपना शोध पुत्र प्रस्तुत किया।

हरियाणा चुनाव में साथ काम करेंगे गहलोत-माकन, सीनियर ऑब्जर्वर बनाया

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कांग्रेस ने हरियाणा चुनावों में सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है। गहलोत के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन और प्रताप सिंह बाजवा को भी सीनियर ऑब्जर्वर बनाया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने तीनों नेताओं की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। अशोक गहलोत को शुक्रवार को ही हरियाणा चुनावों के लिए स्टार प्रचारक बनाया गया था। गहलोत के साथ सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा को भी स्टार प्रचारक बनाया है। गहलोत को दो दिन में कांग्रेस ने दो जिम्मेदारियां दी हैं। गहलोत लंबे बेड रेस्ट के बाद अब फिर सक्रिय हो गए हैं। लोकसभा चुनावों के दौरान गहलोत को स्लिप डिस्क की दिक्कत हो गई थी, इसके चलते वे मई से बेड रेस्ट पर थे। अजय माकन के राजस्थान प्रभारी रहते हुए गहलोत से कड़वाहट बढ़ गई थी। कुछ समय बाद ही माकन को राजस्थान प्रभारी पद से हटा दिया था। कड़वाहट के पीछे विधायक दल की बैठक नहीं होने देना कारण था। 25 सितंबर 2022 को विधायक दल की बैठक बुलाने के बावजूद गहलोत गुट के विधायक नहीं पहुंचे थे, नए नेता का चुनाव करने का अधिकार हाईकमान पर छोड़ने का एक लाइन का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका था। उस वक्त माकन के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे भी ऑब्जर्वर बनकर जयपुर आए थे। दोनों नेता सीएम हाउस पर आधी रात तक विधायकों का इंतजार करते रहे। गहलोत गुट के विधायकों ने शांति धारीवाल के बंगले पर बैठक कर विधायक दल की बैठक का यह कहकर बहिष्कार करने की घोषणा की थी कि सचिन पायलट को सीएम बनाना वे मंजूर नहीं करेंगे। विधायक दल की बैठक नहीं होने के कारण अजय माकन नाराज होकर खड़गे के साथ दिल्ली लौटे थे। कांग्रेस हाईकमान को दी गई रिपोर्ट के बाद शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस दिए गए थे। हालांकि, उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

केंद्र और राज्य सरकारें अहंकार के मद में चूर : सांखला

जोधपुर (हिंस)। यूथ कांग्रेस के जोधपुर संभाग प्रभारी लक्ष्मण सिंह सांखला ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार पर आमजन की पीड़ा सुनकर राहत देने की बजाय तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों ही सरकारें अहंकार के मद में चूर है और जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। यह बात उन्होंने आज यहां जोधपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर दोहरे मापदंड अपनाए जा रहे हैं। जहां पर भाजपा की सरकार नहीं हैं वहां पर होने वाले अपराधों को बढ़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है। जबकि कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकारों में होने वाले अपराधों के बारे में मुख्यमंत्रियों को दोषी ठहराया जा रहा है। मणिपुर में हो रही हिंसक वारदातें, उत्तरप्रदेश, राजस्थान और अन्य प्रदेशों में होने वाले राज्यों में अपराधों पर जब विपक्ष बोलता है तो उसका खण्डन करने के लिए केंद्रीय मंत्री पहुंच कर सफाइयां देने लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार जनता से जुड़े मुद्दों को गौण करके घूमने फिरने में व्यस्त है जिसके कारण प्रदेश और देश में हालात विकट होते जा रहे हैं। बरसात के सीजन में इस बार देश और प्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने और सैंकड़ों लोग इसकी चपेट में आने से शारीरिक और आर्थिक रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ बरसात के कारण टूटी सडकों के कारण प्रदेश में आवागमन पूरी तरह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बाढ़ के कारण देश में हालात खराब है। कोरोना के वक्त पीड़ितों को राहत देने के लिए यूथ कांग्रेस की ओर से एसओएस योजना में क्राउड फंडिंग करके जरूरतमंदों को सहयोग राशि और सामग्री बांटी गई थी। इस बार भी राष्ट्रीय स्तर पर यूथ कांग्रेस क्राउड फंडिंग करेगी जिसका लक्ष्य प्रदेश के यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दस करोड़ का लक्ष्य दिया गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोरोना के वक्त भी सरकार को होने वाली मौतों के बारे में आग्रह किया लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी सलाह पर गौर नहीं किया तथा विदेशी फ्लाइटों पर रोक नहीं लगाई जिसके कारण कोरोना पूरे भारत में फैला और जिसमें जन व धन हानि हुई।

वर्तमान समय योग व प्राकृतिक चिकित्सा का जन-जन में जागृति आवश्यक : निम्बाराम

बीकानेर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि वर्तमान समय योग व प्राकृतिक चिकित्सा का है। आधुनिक युग अनुसार केंद्र के विकास एवं जन-जन में जागृति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक तत्वों से उपचार मिट्टी, जल, उपवास व उचित रहन-सहन तथा खान-पान से स्वास्थ्य सुधार, योगिक क्रियाओं एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा लाभ कम लागत में प्रभावी है, जिसे अपनाकर संस्थान अच्छा कार्य कर रही है उसे और आगे बढाना चाहिए। वे यहां राजस्थान प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय योग एवं प्राणायाय शिविर का समापन पर बोल रहे थे। संस्था अध्यक्ष वेद प्रकाश चतुर्वेदी एवं उपाध्यक्ष श्रीभगवान अग्रवाल के सानिध्य में यह प्रोग्राम हुआ। राजस्थान प्राकृतिक चिकित्सा समिति के मंत्री बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि केंद्र परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विस्तारक प्रशिक्षण शिविर में पधारे क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम, प्रांत प्रचारक विजयानन्द, सह प्रांत प्रचारक राजेश, विभाग प्रचारक विनायक, महानगर प्रचारक चपेश ने केंद्र परिसर में पर्यावरण पौधित एवं प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के लिए औषधीय पौधारोपण कर प्रकृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि योग शिविर के दौरान संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख एवं योगाचार्य वृद्धन ने केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. वत्सला गुप्ता को मुद्रा चिकित्सा के बारे में जानकारी देकर प्रायोगिक रूप से रोगियों को अभ्यास करवा कर साइटिका, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, उदर संबंधी विकार, माइग्रेन आदि व्याधियों के बारे में लाभप्रद जानकारी प्रदान की। इससे पहले निम्बाराम का चिकित्सा अधिकारी डॉ. वत्सला गुप्ता, मंत्री बनवारी लाल शर्मा कार्यकारिणी सदस्य सम्पत पारीक ने शाल व दुपट्टा पहनाकर स्वागत अभिनंदन के साथ संस्था का साहित्य भेंट किया।

विहिप का संस्कार प्रशिक्षण शिविर शुरू

जोधपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के सेवा विभाग द्वारा चलाई जा रही संस्कार शालाओं के शिक्षकों के लिए भारत माता मंदिर में संत मदनदास महाराज के सानिध्य में तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग शनिवार को शुरू किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रांत सहमंत्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने कहा कि विहिप द्वारा नई पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए हर जगह संस्कार शालाएं चलाई जा रही है जिसमें बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ सनातन संस्कृति जोड़ते हुए संस्कारित किया जा रहा है। एक धर्म विशेष द्वारा शिक्षा, चिकित्सा व धन का लोभ लालच देकर धर्मातरण किया जा रहा है। ऐसे में शिक्षा व संस्कारों से वंचित लोग अपना धर्म बदल लेते हैं। इसीलिए धर्मातरण की गतिविधियों को रोकने के लिए हर सेवा बस्ती, शिक्षा से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने व सनातन धर्म की वैदिकता पूर्ण शिक्षित करने के उद्देश्य से सेवा विभाग द्वारा संस्कार शाला के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राजपुरोहित ने कहा कि हमे संस्कारवान राष्ट्र का निर्माण करना होगा वही रास्ता हमें राष्ट्र मन्दिर तक लेकर जाएगा। इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि संस्कार शालाओं के शिक्षकों का संस्कारिक होकर प्रशिक्षित होना। वो ही शिक्षक संस्कारित राष्ट्र के नवनिर्माण में मील के पत्थर साबित होंगे। शाला में व्यक्ति निर्माण के साथ व्यक्तित्व विकास, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्यों के साथ राष्ट्र व धर्म के प्रति हमारी सोच व कार्यों को लेकर शिक्षा के साथ भविष्य सुरक्षित हो उसके लिए शिक्षित किया जाता है। शिक्षण वर्ग में केंद्रीय टोली सदस्य काशी की सीमा सिंह, प्रांत सेवा प्रमुख घनश्याम ओझा, टोली सदस्य पवन मिश्रा, विक्रांत अग्रवाल, पुरुषोत्तम बंसल, सूरज प्रजापत, पंडित जितेंद्र शर्मा सहित महानगर के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

राजस्थान जल महोत्सव में दिलाई जलसंग्रहण की शपथ

जैसलमेर (हिंस)। प्रदेश में इस बार मानसूनी बारिश से जलाशयों में जल की अच्छी आवक हुई है। इससे सुख समृद्धि एवं खुशहाली के साथ चहुमुखी विकास होगा। राज्य सरकार द्वारा जल झूलनी एकादशी पर जलाशयों पर राजस्थान जल महोत्सव-2024 के अभिनव पहल के तहत जैसलमेर जिले में ग्राम,ब्लॉक एवं जिला स्तर पर जलाशयों पर जल महोत्सव का भव्य कार्यक्रम हुआ वहीं जलाशयों पर अतिथियों द्वारा विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही महिलाओं ने मांगलिक गीत भी प्रस्तुत किए एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। जिला स्तरीय समारोह के अवसर पर जिला कलक्टर प्रताप सिंह ने सभी संम्भागियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। राजस्थान जल महोत्सव के तहत शनिवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्राम पंचायत मूलसागर के अमृत सरोवर आलाजी का मंदिर पर शानदार रूप से आयोजित हुआ। जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुए। जिला स्तरीय समारोह की अध्यक्षता जिला प्रमुख प्रताप सिंह सौलंकी ने की एवं जिला कलक्टर प्रताप सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुन्नीराम बागड़िया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेन्द्र सिंह नरुका, समाजसेवी चंद्रप्रकाश शारदा, विकास अधिकारी जैसलमेर समिति अजय सिंह नाथावत, सरपंच मूलसागर खेताराम, जैसलमेर विकास समिति के सचिव चंद्रप्रकाश व्यास अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने अमृत सरोवर आलाजी के मंदिर पर जलाशय की पूजा-अर्चना की। पुजारी प्रमोद पुरोहित ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कराई। जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने कहा कि राज्य सरकार ने जल झूलनी एकादशी पर इस बार इंद्रदेव की कृपा से हुई अच्छी वर्षा के कारण प्रदेश के सभी जलाशय पानी से लबालब भरे हुए है उसकी पूजा-अर्चना का कार्यक्रम रख कर एक अनूठी शुरुआत की है एवं ईश्वर के प्रति आस्था प्रकट की है। उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिला आदिकाल से जल के महत्व को समझ रहा है, लेकिन युवा पीढ़ी को आज के दिन यह संकल्प लेना है कि वे बरसाती जल का एक-एक बूंद का संग्रहण करेंगे एवं आने वाली पीढ़ी के लिए जल को बचाएंगे। जिला कलक्टर प्रताप सिंह ने जल महोत्सव पर सभी संम्भागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस बार अच्छी वर्षा होने के कारण जैसलमेर के सभी तालाब, नाडियाँ इत्यादि पानी से भरे हुए है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार पूरे जिले में जल महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें जल के महत्व को समझ कर उसका जरुरत के हिसाब से उपयोग करना है तभी हम जल को बचा पाएगें। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर इस धरती को हराभरा बनाने की सीख दी। जिला प्रमुख प्रताप सिंह सौलंकी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेन्द्रसिंह नरुका, भू-जल वैज्ञानिक डॉ. एनडी इणखिया, अधिशाषी अभियंता जिला परिषद राधेराम रेवाड़ के साथ जनप्रतिनिधिगण, मातृशक्ति, स्कूली विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

बिहार को मिलेगी चार वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात, पीएम मोदी आज करेंगे उद्घाटन

पटना (हिंस)। बिहार को रविवार यानी 15 सितंबर को चार वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे। गया-नवादा-किऊल के रास्ते वाराणसी और देवघर के बीच चलने वाली वंदे भारत, दुमका होकर भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत, गया-हावड़ा के मध्य चलने वाली वंदे भारत ट्रेन और टाटानगर से गोमो के रास्ते पटना तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा। भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल रन शुक्रवार को सफल रहा। रविवार को इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। इस ट्रेन को बांका होकर चलाया जा रहा है। रविवार को यह उद्घाटन स्पेशल ट्रेन बनकर चलेगी। भागलपुर से सुबह 11 बजे ट्रेन रवाना होगी और 11.30 बजे बाराहाट, 12.05 बजे मंदार हिल, 13.10 बजे हंसडीहा, 13.50 बजे नोनीहाट, 14.35 बजे दुमका, 15.55 बजे रामपुरहाट, 17.00 बजे बोलपुर शांति निकेतन रूकते हुए 20.00 बजे यानी रात के आठ बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से स्थायी तौर पर आम यात्रियों के लिए चलेगी। गाड़ी सख्या- 02304 गया-हावड़ा वंदे भारत गया से 11 बजे खुलकर 12.05 बजे कोडरमा, 13.25 बजे पारसनाथ, 14.30 बजे धनबाद, 15.40 बजे आसनसोल, 16.25 बजे दुर्गापुर रुकते हुए 19.00 यानी रात के सात बजे हावड़ा पहुंचेगी। 18 सितंबर से गाड़ी संख्या 022303/ 022304 हावड़ा-गया-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या -020893 टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5.30 बजे टाटा से रवाना होकर दोपहर 12.45 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी।

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप : आदित्यनाथ

गोरखपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं। मुख्यमंत्री योगी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में *समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान* विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ऋषियों-संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया। नाथपंथ ने काया की शुद्धि के माध्यम से एक तरफ आध्यात्मिक उन्नयन पर जोर दिया तो दूसरी तरफ समाज के हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए। उन्होंने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों, पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। यहां तक कि मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है, *बिनु गुरु पंथ न पाइए, भूलै से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट।* संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं, *गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सों।* योगी ने कहा कि संत साहित्य की परंपरा, इसकी शृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। उन्होंने अयोध्या में गत दिनों तमिलनाडु के एक प्रमुख संत से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए बताया कि उक्त संत से उन्हें तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं।

बिहार बाल संरक्षण आयोग का गठन, भाजपा-जदयू के नेताओं को मिली जगह

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने बाल संरक्षण आयोग का गठन कर दिया है। समाज कल्याण विभाग ने शनिवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इस आयोग में भाजपा और जदयू के नेताओं को जगह दी गई है। अब इस बात पर पूरी तरह से विराम लग गया कि बिहार को डबल इंजन सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में लिखा गया है कि मंत्रिपरिषद के निर्णय के बाद बिहार राज्य बाल संरक्षण आयोग का गठन किया गया है। डॉ. अमरदीप को बिहार सरकार ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। समाज कल्याण विभाग की संयुक्त सचिव कुमारी सीमा के अनुसार, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के सेवाकाल की अवधि तीन वर्ष या 65 साल तक रहेगी।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

सिरसा (हिंस)। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी भाषा की महत्ता और इसकी समकालीन चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी शिमला रानी ने किया। कार्यक्रम में विभाग की प्राध्यापिका सुनीता रानी, डॉ. रजनी रानी और डॉ. जसबीर सिंह भारत ने हिंदी भाषा के महत्व और इसके विकास पर अपने विचार व्यक्त किए। सुनीता रानी ने हिंदी भाषा को एकता का सूत्रधार बताया और कहा कि यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। डॉ. रजनी रानी ने हिंदी के समक्ष आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के वैश्वीकरण के दौर में हिंदी को तकनीकी दृष्टिकोण से समृद्ध बनाने की आवश्यकता है, ताकि यह भाषा विश्व मंच पर अपनी पहचान बनाए रख सके। प्रध्यापक डॉ. जसबीर सिंह भारत ने हिंदी की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि यह भाषा हमारे समाज में सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को स्थापित करने में सहायक है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंदी विभाग के छात्रों ने कविता और भाषण के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति अपने विचारों को अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी की महत्ता को समझाने का सफल प्रयास किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कुलवंत सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषा को और अधिक प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी छात्रों, शिक्षकों और शोधार्थियों की सराहना की।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 : जीएसटी चोरी के रुझान हुए जारी

नई दिल्ली। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने शनिवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए। रिपोर्ट में चोरी के पैटर्न का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही जीएसटी चोरी और रणनीतिक प्रवर्तन के महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डाला गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तरफ से शनिवार को 'एक्स' पोस्ट में बताया गया है कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए हैं। इस रिपोर्ट को सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने डीजीजीआई सदस्य अनुपालन प्रबंधन राजीव तलवार एवं अन्य की उपस्थिति में जारी किया। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन सिलीगुड़ी में शुरू हुआ। इसका उद्घाटन अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कर प्रवर्तन, उभरते कर चोरी क्षेत्रों की पहचान और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सीईएसटीएटी, डीजीएआरएम, प्रवर्तन निदेशालय, एनएफएसयू, आई4सी, डीओटी और जीएसटीएन के प्रतिष्ठित आमंत्रितों के सत्र होंगे, जिनमें उन्नत डिजिटल फोरेंसिक, एनसीआरपी, बीआईएफए और सफल जांच जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) वित्त मंत्रालय के अधीन एक कानून प्रवर्तन एजेंसी है। यह एजेंसी भारत में कर चोरी से लड़ने के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना 1979 में कर चोरी विरोधी महानिदेशालय के रूप में की गई थी, जिसे बाद में नाम बदल कर केंद्रीय उत्पाद शुल्क खुफिया महानिदेशालय कर दिया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई ने कहा-16 की बजाय 18 सितंबर को होगी ईद-ए-मिलाद की छुट्टी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 16 सितंबर को घोषित सार्वजनिक अवकाश निरस्त कर दिया है। अब मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिलों में स्थित आरबीआई के सभी कार्यालय ईद-ए-मिलाद पर्व के उपलक्ष्य में 18 सितंबर 2024 को बंद रहेंगे। इसके साथ ही इस दिन सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा और मुद्रा बाजारों में भी कोई लेन-देन और निपटान नहीं होगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि पैगम्बर मुहम्मद के जन्म के अवसर पर मनाई जाने वाली ईद-ए-मिलाद अब 18 सितंबर को मनाई जाएगी। आरबीआई के मुताबिक अब सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा और मुद्रा बाजारों में कोई लेन-देन और निपटान 18 सितंबर को नहीं होगा। इसके साथ ही मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिलों में स्थित आरबीआई के सभी कार्यालय भी बंद रहेंगे। आरबीआई के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार ने परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 25 के तहत 18 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। पहले 16 सितंबर को घोषित सार्वजनिक अवकाश को रद्द कर दिया गया है। ऐसे में सरकारी प्रतिभूति बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, मुद्रा बाजार और रुपया ब्याज दर डेरिवेटिव बाजार अब 16 सितंबर को चालू रहेंगे। वहीं, 17 सितंबर को निर्धारित राज्य सरकार की प्रतिभूतियों की नीलामी का निपटान अब 18 सितंबर के बजाय 19 सितंबर को होगा।

त्योहारी सीजन में बढ़ेंगे तेलों के भाव

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान अगले कुछ दिनों में लोगों को खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने विभिन्न खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है, जिसका असर कीमतों पर दिख सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने क्रूड और रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल समेत कुछ अन्य खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के एक नोटिफिकेशन के हवाले से बताया गया है- क्रूड व रिफाइंड पॉम ऑयल, सोयाबीन तेल और सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) बढ़ा दी गई है। ये बदलाव 14 सितंबर से लागू हो गए हैं। क्रूड पॉम ऑयल, क्रूड सोयाबीन तेल और क्रूड सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 20 प्रतिशत है, जो पहले शून्य थी। वहीं रिफाइंड सनफ्लावर सीड ऑयल, रिफाइंड पॉम ऑयल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 32.5 फीसदी है, जो पहले 12.5 फीसदी थी। वहीं कस्टम ड्यूटी की वृद्धि के बाद प्रभावी शुल्क दर क्रूड तेलों के लिए 5.5 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गई है और रिफाइंड तेलों के लिए 13.75 फीसदी से बढ़कर 35.75 फीसदी हो गई है।

सजावटी मत्स्य पालन के लिए मोबाइल ऐप पेश किया गया

नई दिल्ली । आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) ने मछली पालकों और एक्वेरियम दुकान मालिकों को सजावटी मत्स्य पालन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप रंगीन मछली विकसित किया है। हाल ही में जारी किए गए एक सरकारी बयान के अनुसार केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए), भुवनेश्वर में रंगीन मछली मोबाइल ऐप पेश किया। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के समर्थन से आईसीएआर-सीआईएफए द्वारा विकसित, ऐप को सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसमें रूचि रखने वालों, एक्वेरियम दुकान मालिकों और मछली पालकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। यह ऐप आठ भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय सजावटी मछली प्रजातियों के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करता है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने किया उद्घाटन

विजयवाड़ा-नई दिल्ली के बीच इंडिगो की विमान सेवा शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विजयवाड़ा से नई दिल्ली के बीच इंडिगो की सीधी उड़ान सेवा का शुभारंभ किया। नायडू ने विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर एक नए प्रवेश और निकास मार्ग का भी शुभारंभ किया।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के कार्यालय ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री नायडू ने विजयवाड़ा-नई दिल्ली के बीच इंडिगो की उड़ान का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही उन्होंने विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर एक नए प्रवेश और निकास मार्ग का भी शुभारंभ किया। इससे एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए दूरी 400 मीटर कम हो गई है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि मुझे हवाई अड्डे के संचालन की समीक्षा करने का भी मौका मिला। नए एकीकृत टर्मिनल को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। हम विजयवाड़ा एयरपोर्ट को और विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, यह उद्घाटन उसी दिशा में एक कदम मात्र है।

बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने अपने खिलाफ लगे हितों के टकराव के सभी आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने बाजार नियामक द्वारा निर्धारित सभी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया है। सेबी प्रमुख और उनके पति धवल बुच ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में दिए गए एक बयान में कहा कि पिछले कई दिनों से उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि धवल बुच और भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नामक फर्मों के परामर्श कार्यों के बारे में सवाल उठाए गए हैं। ऐसा लगता है कि जब किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के जीवनसाथी को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो इसे पेशेवर योग्यता से परे कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। ऐसी धारणाएँ योग्यता और विशेषज्ञता की ताकत को नजरअंदाज करती हैं और ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचती हैं जो सबसे दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

माधबी बुच की सफाई के बाद कांग्रेस का नया आरोप, कहा- सेबी प्रमुख ने लिस्टेड कंपनियों में की ट्रेडिंग

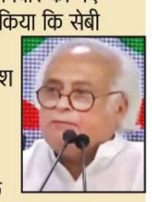

सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच पर हमला बोलते हुए कांग्रेस ने शनिवार को नए आरोप लगाए हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि सेबी प्रमुख ने पद पर रहते हुए लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की जो कि गलत है। इसके अलावा उन्होंने चाइनीज फंड्स में भी निवेश किया है। खासकर उस वक्त जब भारत चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने माधबी बुच के खिलाफ नए आरोपों की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि उन्होंने पूर्णकालिक सदस्य के रूप में और बाद में सेबी अध्यक्ष के रूप में 36.9 करोड़ रुपये की लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की है। कांग्रेस का ये हमला सेबी अध्यक्ष के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें माधबी बुच ने कहा था कि उन्होंने सभी जरूरी खुलासे कर दिए हैं और महिंद्रा समूह जैसी कंपनियों के साथ काम करने में दिशा-निर्देशों का पालन किया है, जिन्होंने उनके पति को नौकरी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अनियमितता के आरोपों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण बताकर खारिज कर दिया था। माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान में कांग्रेस की तरफ से सेबी की पूर्णकालिक सदस्य होने के बावजूद अपने पिछले नियोक्ता आईसीआईसीआई बैंक से भुगतान प्राप्त करने के मुद्दे पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि माधबी बुच ने कभी भी अगोरा एडवाइजरी और अगोरा पार्टनर्स से जुड़ी किसी फाइल को नहीं देखा - ये वे सलाहकार कंपनियां हैं जिनमें उनकी 99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 2017 में बाजार नियामक संस्था सेबी में शामिल होने के बाद भी वे आय हासिल करती रहीं।

भारतीय खाद्य निगम का 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की है। एफसीआई के अभियान का मुख्य फोकस 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' पर आधारित है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक देशभर में चलाया जाएगा।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि एफसीआई ने 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता अभियान चलाने की एक योजना बनाई है। इस अभियान को देशभर में 760 स्थानों पर जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल (उत्तर से दक्षिण) और गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों (पश्चिम से पूर्व) तक के सभी एफसीआई कार्यालयों, जोनल, क्षेत्रीय एवं जिला और दूरदराज के क्षेत्रों को कवर करने वाले गोदामों में शुरू किया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम ने 17 सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है, जिसमें 'संपूर्ण समाज' दृष्टिकोण पर जोर देते हुए तीन प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस अभियान की प्रगति की नियमित रूप से एसएचएस पोर्टल https://swachhatahiseva.gov.in पर निगरानी की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक चूंकि स्वच्छता अभियान 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलेगा और स्वच्छ भारत दिवस पर समाप्त होगा, इसलिए यह सभी नागरिकों, भागीदारों और हितधारकों के लिए इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर है। उल्लेखनीय है कि भारतीय खाद्य निगम देशभर के किसानों से एमएसपी पर गेहूं और धान खरीदता है। ये विभिन्न परिवहन साधनों के माध्यम से प्रति वर्ष करीब 50 मिलियन टन खाद्यान्न का परिवहन करके यह भी सुनिश्चित करता है, ताकि देश के हर हिस्से में गेहूं और चावल उपलब्ध हो। इसके बाद इस गेहूं और चावल को 2000 से अधिक एफसीआई के गोदामों में संग्रहीत किया जाता है और 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में उचित मूल्य की दुकानों के देशव्यापी नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया जाता है।

आयुष्मान योजना में मुफ्त इलाज ही नहीं, अब बुजुर्गों को मिल रहीं खास सुविधाएं

आयुष्मान भारत योजना में 70 साल के सीनियर सिटिजंस को शामिल

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की बड़ी सौगात दी। केंद्र ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल या इससे अधिक के सीनियर सिटिजंस को इसमें शामिल किया है और अब इस आयुवर्ग के बुजुर्गों को परिवार से अलग 5 लाख रुपये तक का फ्री इलाज मिल सकेगा लेकिन सिर्फ मुफ्त इलाज ही नहीं देश में बुजुर्गों को अलग-अलग स्कीम्स के तहत अन्य कई तरह की बड़ी सुविधाएं भी मिल रही हैं, जिसमें पेंशन से लेकर निवेश पर ज्यादा ब्याज तक शामिल है। केंद्र सरकार की खास योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य स्कीम के तहत सरकार ने बड़ा बदलाव करते हुए इसमें 70 साल या उससे ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन को हेल्थ इंश्योरेंस कवर देने का ऐलान किया है, चाहे वह किसी भी कैटेगरी से आते हों। पहले से ही इस स्कीम में कवर किए गए परिवारों से संबंधित 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को अपने लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर दिया जाएगा। इस फैसले से 4.5 करोड़ परिवारों के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को फायदा होगा। इस स्कीम के तहत कई बड़ी बीमारियों को कवर किया जाता है, इसमें कैंसर, हार्ट डिसीज और किडनी से जुड़ी बीमारी के अलावा कोरोना, मोतियाबिंद तक शामिल हैं। लाभार्थी देशभर में 29,000 से ज्यादा लिस्टेड अस्पतालों में कैशलेस और पेपरलेस हेल्थ सर्विसेज का लाभ उठा सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति इस अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश करता है, तो उसे 2.46 लाख रुपये का वार्षिक ब्याज मिलेगा और इस ब्याज को महीने के हिसाब से देखें तो करीब 20,000 रुपये मासिक इनकम पक्की हो जाएगी। इसमें 60 साल या उससे अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति या पति,पत्नी के साथ ज्वाइंट अकाउंट खोला जा सकता है। सरकारी और प्राइवेट बैंकों में एफडी रेट में बीते कुछ समय में जोरदार इजाफा किया है और लगभग हर बैंक सीनियर सिटिजंस को अतिरिक्त ब्याज ऑफर कर रहे हैं। डीसीबी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर 8.1 फीसदी, आरबीएल 8 फीसदी, इंडसंड 8 फीसदी, आइडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.75 फीसदी और आइसीआईसीआई बैंक 7.5 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहे हैं।

सरकार ने प्याज निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाया, बढ़ सकते हैं भाव

प्रतिबंध हटने से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश से निर्यात को प्रोत्साहन और किसानों की आय में बढ़ोतरी के उद्देश्य से प्याज और बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) पर लगी सीमाओं को हटा दिया। प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तय किया गया था लेकिन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर इसे तत्काल प्रभाव से हटा दिया।

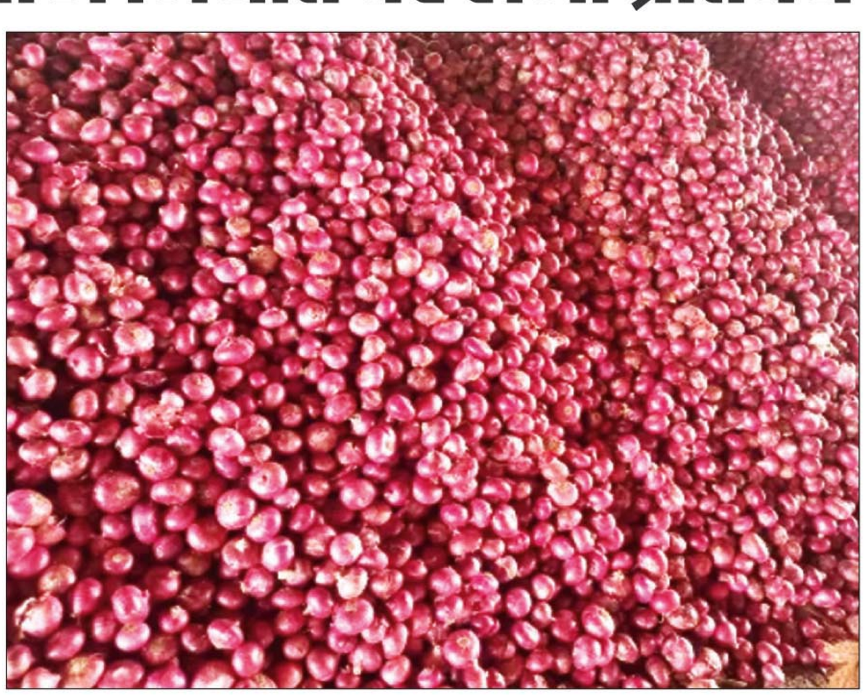

इसी तरह वाणिज्य विभाग ने बासमती चावल के निर्यात के लिए पंजीकरण-सह-आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी) जारी करने के लिए 950 डॉलर टन के मौजूदा न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाने का निर्णय लिया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस कदम से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी। एपीडा (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) से इस निर्णय को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। इस दौरान एपीडा बासमती निर्यात के लिए किसी भी अवास्तविक मूल्य पर होने वाले निर्यात अनुबंध पर करीब से नजर रखेगा।

सरकार ने पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में बासमती चावल के निर्यात के लिए न्यूनतम कीमत को 1,200 डॉलर प्रति टन से घटाकर 950 डॉलर प्रति टन कर दिया था। अधिक कीमतों के कारण निर्यात प्रभावित होने की चिंताओं के चलते ऐसा किया गया था। सरकार ने 27 अगस्त, 2023 को प्रीमियम बासमती चावल की आड़ में सफेद गैर-बासमती चावल के अवैध निर्यात पर लगाम लगाने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से कम कीमत पर बासमती चावल के निर्यात की अनुमति नहीं देने का फैसला किया था।

भारत का बासमती चावल का कुल निर्यात 2022-23 में कीमत के लिहाज से 4.8 अरब डॉलर रहा, जबकि मात्रा के लिहाज से यह 45.6 लाख टन था। इस दौरान विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने प्याज निर्यात की न्यूनतम मूल्य सीमा हटाने वाली अधिसूचना में कहा कि प्याज के निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्त तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक हटा दी गई है। इस प्रमुख किचन के खाद्य सामग्री की उच्च खुदरा कीमतों के बावजूद प्याज पर एमईपी को हटाने का निर्णय लिया गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत मूल्य 50.83 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि मॉडल मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम है। प्याज का अधिकतम मूल्य 83 रुपये प्रति किलोग्राम है और न्यूनतम मूल्य 28 रुपये प्रति किलोग्राम है।

लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी–20 में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

इंग्लैंड ने 3 टी-20 मैचों की श्रृंखला में की 1-1 से बराबरी

कार्डिफ।

अनुभवी लियाम लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 1–1 की बराबरी कर ली है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जेक फ्रेजर–मैकगर्क (50) के पहले अर्धशतक और जोश इंग्लिस के 26 गेंदों पर 42 रनों की तेज पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और कप्तान ट्रेविस हेड ने 31 रन बनाए। अंत में आरोन हार्डी ने 9 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेली।

इंग्लैंड के लिए लिविंगस्टोन और ब्रीडन कार्स ने 2–2 और सैम करन, आदिल राशिद ने 1–1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम एक समय 79 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन यहां से लिविंगस्टोन (47 गेंदों पर 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों पर 44 रन) के बीच केवल 47 गेंदों पर 90 रनों की साझेदारी ने उन्हें वापस मैच में ला दिया और इंग्लैंड ने 1ओवर शेष रहते 194 रन बनाकर 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इंग्लिश कप्तान फिलिप शॉर्ट ने भी 39 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट ने 5 विकेट लिए, जबकि सीन एबॉट ने 2 विकेट झटके।

दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी–20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

इंटर मियामी के लिए वापसी को तैयार लियोनेल मेसी

वाशिंगटन। लियोनेल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक बाहर रहने के बाद इस सप्ताह के अंत में इंटर मियामी के लिए एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1–0 की जीत के दौरान टखने की चोट के बाद से नहीं खेला है। हालांकि वह पूर्ण प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और शनिवार को फिलाडेल्फिया के खिलाफ इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उनका खेलना तय है। इंटर मियामी के प्रबंधक गेरार्डो मार्टिनो ने संवाददाताओं से कहा, हां, वह ठीक हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है। प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध हैं। मेसी के नाम इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर मैचों में 12 गोल और 13 सहायता हैं। मार्टिनो आठ बार के बैलन डी ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से चिंतित नहीं थे, उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मात्र से फ्लोरिडा टीम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मार्टिनो ने कहा, अपनी टीम के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का वापस स्वागत करना, जो पहले से ही अच्छे प्रदर्शन पर थी, हम सभी को बहुत खुशी हो रही है। इंटर मियामी वर्तमान में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है।

इंडिया अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ियों को सूर्यकुमार ने दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी20 के मास्टर सूर्यकुमार यादव इंडिया अंडर–19 टीम के खिलाड़ियों से बेंगलुरु के एनसीए में मिले। एनसीए में युवा खिलाड़ियों को कैंप चल रहा है। इंडिया अंडर–19 टीम 21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 टीम से वनडे में भिड़ेगी। इस सीरीज से पहले सूर्या ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया। सूर्यकुमार ने खिलाड़ियों को अपने कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, एकजुट होने और प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान देने के लिए टिप्स दिए। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के टी20 कप्तान बने सूर्यकुमार यादव ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर–19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की। एनसीए के सूत्र ने बताया कि सूर्यकुमार ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें। आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आपमें से हरेक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करना। प्रक्रिया और दिनचर्या पर ज्यादा ध्यान देना। परिणाम खुद ही आपके अनुकूल होगा।

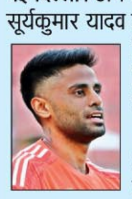

सैमसन नहीं टिक सके युवा तेज गेंदबाज के सामने, आकिब की खूब हो रही तारीफ भारत को मिल सकता है दूसरा भुवि

नई दिल्ली। इंडिया टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज संजू सैमसन पहली बार दलीप ट्रॉफी 2024 में खेल रहे हैं। वह इंडिया–डी की ओर से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पहली पारी में संजू सैमसन ने छह गेंदों पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने आउट किया। 20 साल के इस युवा गेंदबाज का नाम इससे पहले शायद ही किसी ने सुना हो। खेल के तीसरे दिन इंडिया–डी ने 33 रन पर अपना तीसरा विकेट गंवा दिया। इसके बाद संजू सैमसन उतरे। उन्होंने आते ही बाउंड्री लगा दी लेकिन फिर हुआ वही जिसका डर था। संजू सैमसन युवा पेसर आकिब खान की गेंद को पुल करना चाहते थे लेकिन, गेंद हवा में उछल गई। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की। आकिब की गेंद पर संजू आउट हो गए। अब आकिब खान की खूब तारीफ हो रही है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब खान का जन्म 25 दिसंबर 2003 को पश्चिमी यूपी के सहारनपुर जिले के संसारपुर में हुआ था। गरीब परिवार से तालुक रखने वाले इस गेंदबाज ने अंडर–19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की थी। इसके बाद भारतीय चयनकर्ताओं का ध्यान इस प्रतिभावान पेसर आकिब पर गया। आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस टीम के आकिब नेट बॉलर रह चुके हैं। यूपी टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसके बाद मुंबई ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया था। आकिब खान को यूपी का दूसरा भुवनेश्वर कहा जा रहा है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024

भारत का विजय अभियान बरकरार पाकिस्तान को 2–1 से हराया

हुलुनबुइर।

मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने यहां शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2–1 से हरा दिया। मैच में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13वें, 19वें मिनट) ने दोनों गोल दागे जबकि पाकिस्तान की ओर से एक मात्र गोल नदीम अहमद (8वें मिनट) ने किया। भारत की यह इस टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब टीम सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

मैच में पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गोल किया। आठवें मिनट में नदीम अहमद ने पाकिस्तान के लिए पहला गोल किया और 1–0 की बढ़त ले ली। हालांकि भारतीय टीम ने वापसी की और 13वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। अंतिम मिनटों में काफी संघर्ष देखने को मिला लेकिन कोई भी टीम मौके नहीं बना सकी और पहला क्वार्टर 1–1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और 19वें मिनट में एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत ने गोल कर भारतीय टीम को 2–1 से आगे कर दिया। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2–1 से आगे रही। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिश की लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पाकिस्तान ने कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने पाकिस्तान को बराबरी का गोल करने से रोक दिया और क्वार्टर का अंत 2–1 की बढ़त के साथ किया।

भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस ने रोक दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में पाकिस्तानी खिलाड़ी राना वहीद को यलो कार्ड मिला और पाकिस्तान को 10 खिलाड़ियों के साथ आखिरी 10 मिनट खेलना पड़ा। हालांकि मैच समाप्त होने के दो मिनट पहले भारत के मनप्रीत सिंह को भी यलो कार्ड मिला और इसके साथ दोनों टीमें 10–10 खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गईं। मैच के खत्म होने से डेढ़ मिनट पहले भारतीय टीम को पेनल्टीकॉर्नर मिला लेकिन वो गोल में तब्दील नहीं हो सका। गत चैंपियन भारतीय टीम ने टूर्नामेंट को पसंदीदा के रूप में खेला है और प्रत्येक मैच जीता है। भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3–0 से हराया, दूसरे मैच में जापान को 5–1 से हराया, तीसरे मैच में मलेशिया को 8–1 से हराया और चौथे मैच में कोरिया के खिलाफ 3–1 से जीत हासिल की। अब पाकिस्तान को 2–1 से हरा दिया। भारत सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलने उतरेगा।

शतरंज ओलंपियाड

पुरुषों ने दर्ज की तीसरी जीत महिलाओं ने हरिका की हार के बाद भी जीता राउंड

नई दिल्ली।

शुक्रवार रात बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने तीसरे दौर में जीत दर्ज की। तीसरे दौर में पुरुषों ने मेजबान हंगरी–बी को 3.5–0.5 से हराया, जबकि महिलाओं ने स्विट्जरलैंड को 3–1 से हराया।

द्रोणावल्ली हरिका की हार टूर्नामेंट में किसी भारतीय खिलाड़ी की पहली हार थी। उन्हें शीर्ष बोर्ड पर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने हराया, जिन्होंने अतीत में रूस का प्रतिनिधित्व किया था।

अन्य सभी भारतीय महिलाओं ने जीत हासिल की, दूसरे बोर्ड पर आर. वैशाली ने ग़ज़ल हकीमीफर्ड को, तीसरे पर दिव्या देशमुख ने सोफिया ह्रीज़लोवा को और चौथे पर वंतिका अग्रवाल ने मारिया मानको को हराया। ओपन वर्ग में भारत का शत–प्रतिशत रिकॉर्ड मेजबान देश की दूसरी टीम ने तोड़ा। पहले कुछ दिनों में अपने सभी आठ गेम जीतने के बाद, दूसरे वरीय भारत को आधा अंक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि विदित गुजराती को गैबोर पप्प ने चौथे बोर्ड पर ड्रॉ पर रोक दिया था, जिसे 170 एलो अंक से नीचे रेटिंग दी गई है।

लेकिन, डी. गुकेश, आर. प्रगनानंद और अर्जुन एरिगैसी की शानदार युवा तिकड़ी की जीत हुई, जिन्होंने क्रमशः एडम कोज़ाक, तमस बानुस्ज़ और पीटर प्रोहाज़्का पर जीत हासिल की।

डायमंड लीग फाइनल 2024: पुरुषों की 3000 स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे साबले

नई दिल्ली।

अविनाश साबले शनिवार को ब्रुसेल्स के किंग बौडॉइन स्टेडियम में डायमंड लीग 2024 फाइनल में 3000 मीटर पुरुषों की स्टीपलचेज़ में 8:17.09 के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे।

केन्या के अमोस सेरेम फिनिश लाइन (8:06.90) को पार करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जबकि पसंदीदा मोरक्को के सौफियान एल बक्काली 8:08:60 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई 8:09.68 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

3000 मीटर स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले, दो बैठकों में तीन अंकों के साथ समग्र डायमंड लीग स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर रहे। हालाँकि, उनसे उच्च रैंक वाले चार एथलीट – इथियोपिया के लामेचा गिरमा (घायल), न्यूजीलैंड के जियोर्डी बीमिश, जापान के रयुजी मुरा और यूएसए की हिलेरी बोर – हट गए, जिससे सेबल को सीजन फाइनल के शीर्ष 12 में भाग लेने की अनुमति मिली। 29 वर्षीय खिलाड़ी 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ छठे स्थान पर रहे थे। वह 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 8:29.96 के समय के साथ 14वें स्थान पर थे। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में, साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फ़ाइनल में 8:14.18 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे।

बांग्लादेश संभावित रूप से अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों के लिए करेगा दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी

ढाका।

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टोग्राम में खेले जाने की संभावना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी।

उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा। हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएँ नहीं हैं। एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है। बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे।

दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर–ए–बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा। 3 नवंबर. बीसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे।

हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था।

आईएसएलः अपने पहले मुकाबले में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगा बेंगलुरु एफसी

बेंगलुरु।

बेंगलुरू एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 2024-25 में शनिवार रात अपना पहला मैच ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगी। यह मुकाबला यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेला जाएगा। बेंगलुरू का मजबूत ओपनिंग मैच रिकॉर्ड है, क्योंकि टीम अब तक अपना पहला मैच केवल एक बार हारी है। उन्हें वो हार पिछले सीजन में मिली थी जब वे केरला ब्लास्टर्स एफसी से 1-2 से हारे थे।

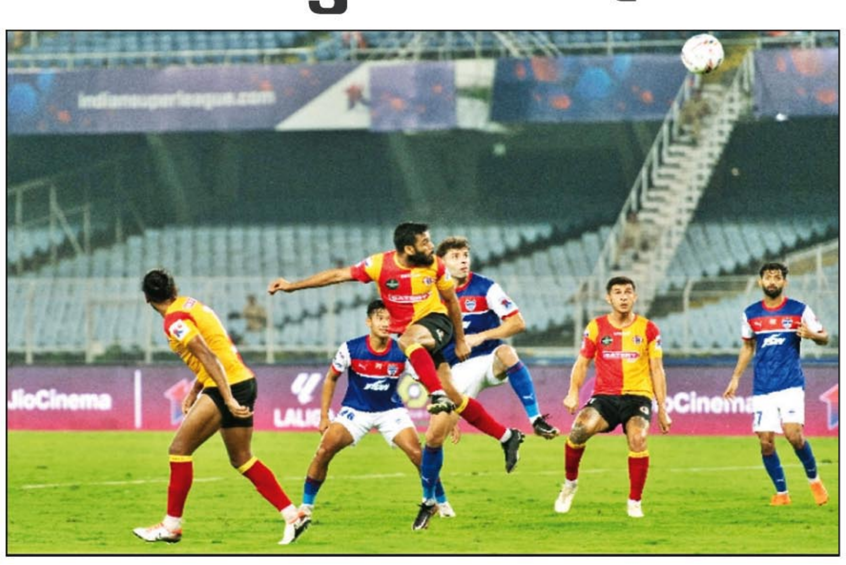

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी ब्लूज के खिलाफ लगातार गोल कर रही है, उसने अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में गोल दागे हैं और तीन जीत हासिल की है। लेकिन यह भी तथ्य है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अच्छी शुरुआत नहीं करती है। उसने कभी भी अपना पहला आईएसएल मैच नहीं जीता है और वो इसे बदलना चाहेगी।

बेंगलुरू एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने पिछले सीजन के मध्य में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनकी देखरेख में ब्लूज ने चार क्लीन शीट रखी थी, लेकिन पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रहे थे। लिहाजा ब्लूज को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है।

कोच ने कहा, जिन खिलाड़ियों को हम चाहते थे, उनको अनुबंधित किया गया। खेल निदेशक और मालिकों ने अपना काम कर दिया है और अब हमारी बारी है। प्रशिक्षण, फिटनेस और रणनीति के मामले में हमारा प्री–सीजन बढ़िया रहा।

कार्लेस कुआड्राट पिछले सीजन में ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े थे और उनकी देखरेख में, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड डूरंड कप के फाइनल में पहुंची और सुपर कप जीती, जिससे उसे एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हालांकि, आईएसएल में टीम की स्थिति सीजन से 2022–23 नहीं बदली है, क्योंकि वो सात क्लीन–शीट रखने के बावजूद नौवें स्थान पर रही।

कार्लेस ने कहा, हम एक टीम बना रहे हैं और पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए हमने नए खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे कि हम अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। साथ ही, हमने युवाओं को अवसर दिए हैं। कुछ ने डेब्यू सीजन में गोल करने में सहायता की थी या फिर गोल किए थे। इस बार वे लीग के लिए अधिक तैयार हैं।

नए वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राय कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रैंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते हैं।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

खतरनाक है घर का सामान...

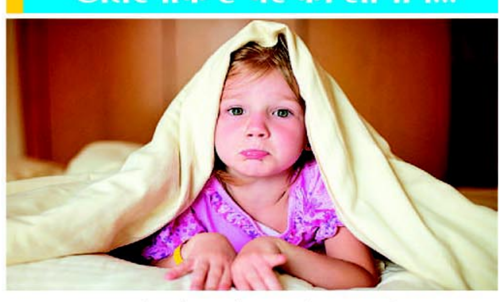

हर इंसान का इस दुनिया में एक छोटा सा आशियाना बनाने का एक सपना होता है जिसे पूरा करने के लिए वो दिन रात कड़ी मेहनत करता है। अपनी सुख सुविधाओं की तमाम चीजों को वो इस घर में जुटाता है लेकिन तब क्या हो जब जरूरतों का सामान ही उसकी सेहत के लिए भारी पड़ जाए? हाल ही में हुए रिसर्च से यह बात सामने आई है कि घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले घरेलु उपकरण जैसे फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक उत्पाद जैसे टीवी और कम्प्यूटर, घरों में लगे परदे, एयर फ्रेशनर और यहां तक कि साबुन भी कई तरह की बीमारियों को न्यौता दे सकते हैं। जार्ज वांशिगटन यूनिवर्सिटी के मिल्केन इंस्टीट्यूट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने रिसर्च में बताया कि फर्नीचर,टीवी, कम्प्यूटर, परदे, एयर फ्रेशनर और साबुन में भारी मात्रा में केमिकल जैसे पैथलेट्स, फिनॉल, फ्लोरीन युक्त रसायन मिले होते हैं। ये रसायन धूल के कणों में मिलकर हवा के रास्ते हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारे शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका सबसे बुरा असर पड़ता है। कई बार मां और बच्चे के शरीर में इन सामानों की वजह से कई सारे कैमिकल चले जाते हैं जिसका शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। टीसीईपी नामक कैमिकल जो कि गद्दों में पाया जाता है के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। यह कैमिकल बच्चों के खेलते वक्त उनके हाथों से मुंह तक पहुंच जाता है जिससे बच्चों की सेहत बहुत खराब प्रभाव पड़ता है। विश्व के कई इलाकों में इस कैमिकल का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के एन्वायरमेंट वर्किंग ग्रुप टीम ने एक नई रिसर्च प्रकाशित की है जिसमें कैमिकल्स के वर्तमान इस्तेमाल पर प्रकाश डाला गया है। स्टडी में पाया गया कि बच्चों के हाथ में अपशिष्ट कणों के रह जाने के कारण उन्हें कई बीमारियां होने का खतरा रहता है। कुछ भी खाने से पहले बच्चों के हाथ जरूर धुलवाएं। संभव हो तो बच्चों के हाथ ऐसे साबुन से धुलवाएं जो खुशबू से रहित हैं क्योंकि उनमें कैमिकल नहीं होते। कैमिलक वाले साबुन से हाथ धोना भी बीमारी को दावत देना है।

हमें टर्मरिक पिल्स की जरूरत नहीं...

आज कल पूरे विश्व में लोग हल्दी से मिलने वाले फायदों को पाने के लिए टर्मरिक पिल्स का सेवन कर रहे हैं। हल्दी से मिलने वाले फायदों से हम सभी भलीभांति परिचित हैं लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज कल बाजार में हल्दी की गोलियां भी मिलती हैं। ये दवाइयां आज कल पूरे विश्व में बहुत ज्यादा प्रचलित हैं और इसे टर्मरिक सप्लीमेंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय बाजार में भी हल्दी की ये गोलियां उपलब्ध हैं और आप इसे ऑनलाइन भी मंगा सकते हैं। इसे कर्कुमिन सप्लीमेंट के रूप में जाना जाता है। हालांकि भारतीय लोगों को आयरन या कैल्शियम सप्लीमेंट की तरह इस हल्दी सप्लीमेंट को लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि अधिकतर भारतीय व्यंजनों में हल्दी पाउडर या कच्ची हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपको जरूरी हल्दी की मात्रा आसानी से मिल जाती है। हल्दी में कर्कुमिन नामक यौगिक पाया जाता है जिसकी एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी क्षमताओं के कारण ही हल्दी इतनी ज्यादा फायदेमंद होती है। अगर आप यह जानना चाहते हैं कि एक दिन में हल्दी की कितनी मात्रा उपयोग में लानी चाहिए तो यह बताना थोड़ा मुश्किल है। चूंकि हल्दी की तासीर गर्म होती है इसलिए यह अलग अलग लोगों पर निर्भर करता है की उसके उसे कितनी हल्दी खानी चाहिए। आमतौर पर डिशेज में एक या दो चम्मच हल्दी मिलाना उपयुक्त माना जाता है और इतने से ही आपको इससे मिलने वाले सारे फायदे मिल जाते हैं। पूरे उत्तर भारत में खाने में हल्दी का उपयोग किया जाता है खासतौर पर पंजाब और राजस्थान की अधिकतर कई मशहूर डिशेज में इसका भरपूर उपयोग होता है।

चीनी नहीं अब इंडियन फूड...

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। भारतीय व्यंजनों में हर वो बात है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यंजनों के मामले में सबसे आगे रख रही है। पूरी दुनिया के व्यंजनों के शौकीन लोगों को भारतीय जायका काफी भा रहा है और यही वजह है कि भारतीय व्यंजन चीनी व्यंजनों की तुलना में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है।

भले ही चीनी व्यंजन दुनिया भर में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन भारतीय खाने से इसे टक्कर मिल रही है। भारतीय व्यंजन भी लोगों की थालियों में विश्वभर में जगह बना रहे है। विश्व के नक्शे पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। विश्व भर में चीनी भोजन स्थानीय खाने के बाद दूसरे स्थान पर है लेकिन भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हो चुके हैं और यह चीन को पीछे छोड़ रहे हैं। पूरी दुनिया में ही खाना बनाने के शौकीन लोग बहुत प्यार और धैर्य से खाना पकाते हैं। खाना बनाने की तकनीक ज्यादातर देशों में लगभग एक जैसी है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के व्यंजनों की बात करें तो हर जगह का खाना वहां के लोगों के व्यक्तित्व को दर्शाता है। उत्तर भारत के लोग जहां खाने में मक्खन, स्थानीय मसाले, मीट और चिकन का प्रयोग ज्यादा करते हैं, वहीं दक्षिण में नारियल, करी पत्ता, कई तरह के मिर्च और मसाले का प्रयोग ज्यादा होता है।

सैलानियों की पसंद

विदेशी सैलानियों के पसंदीदा व्यंजनों में भारतीय व्यंजन शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियावासी, अंग्रेज, डच और न्यू जीलैंड के पर्यटक भारतीय व्यंजनों का छक कर लुत्फ उठाते हैं। फ्रांसीसी लोग चीन, जापान, स्पेन और यहां तक की यूनान के व्यंजनों के मुकाबले भारतीय व्यंजन को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। यही बात आस्ट्रेलिया के लोगों के संबंध में भी देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलियावासियों ने भारतीय व्यंजनों को दुनिया के सबसे स्वादिष्ट व्यंजनों में रखा है।

निफ्टम की पहल

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट निफ्टम ने देशभर से ऐसे 15 उत्पाद चिन्हित किए हैं, जो पीजा और बर्गर की तरह विश्व के बाजार में भारतीय व्यंजन के रूप में उतारे जाएंगे। इनमें हरियाणा का घेवर और बिहार का लिट्टी चौखा भी शामिल है। विदेशों में भारत के पारंपरिक भोजन की बढ़ती मांग के चलते निकट भविष्य में भारत विश्व के सबसे बड़े खाद्य बाजार के रूप में स्थापित होने जा रहा है। इसी को देखते हुए हरियाणा के घेवर और बिहार के लिट्टी चौखा जैसे उत्पादों को विश्व स्तर के लिए तैयार किया जा रहा है।

ये व्यंजन होंगे शामिल

निफ्टम जिन भारतीय पारंपरिक खाद्यों को विश्व स्तर पर लांच करने की तैयारी में है, उनमें कश्मीर का गुस्तावा, पंजाब की चिकन करी, गुजरात का खाकरा, दक्षिण भारत का बैंबू स्टीम फिश, साउथ का वड़ा, बिहार का खाजा, उत्तर भारत का अनारसा, कवाब, बिहार का लिट्टी चौखा, गुजरात का खांडवी, महाराष्ट्र की पूरन पोली, हरियाणा का घेवर, सत्तु और चावल का मुरमुरा है। निफ्टम ने देश के 18 राज्यों में 39 गांव गोद लिए हैं।

रूस में भारतीय व्यंजन

रूस के मास्को में करीब 10 ऐसे रेस्टोरेंट हैं जहां उत्तर भारतीय से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन तक परोसे जाते हैं। भारतीय रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले तंदूरी चिकन से लेकर मटन बर्रा, पनीर मलाई कोफ्ता से लेकर सरसो दा साग तक के जायके स्थानीय लोगों के साथ-साथ वहां जाने वाले दूसरे देशों के लोगों को खूब लुभा रहे हैं और इन रेस्टोरेंट के संचालक आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में भारत के मसालेदार व्यंजनों की मांग और बढ़ेगी। मास्को में जय हिंद, दरबार, खजुराहो, देवी कैफे, जगन्नाथ जैसे कुछ लोकप्रिय भारतीय रेस्टोरेंट हैं। भारतीय व्यंजन मास्को ही नहीं बल्कि रूस के अन्य शहरों में भी लोकप्रिय हैं। मसालेदार भारतीय खाना रूस में सभी आयु वर्ग के लोगों में पसंद किया जा रहा है। वहां के देवी कैफे रेस्टोरेंट के एक अधिकारी के मुताबिक वे लोग भारतीय और चीनी खाना परोसते हैं लेकिन लोगों द्वारा भारतीय खाना सबसे अधिक पसंद किया जाता है। रूसी लोग भारतीय व्यंजनों को पसंद करते हैं। वहां भारतीय रेस्टोरेंट में आने वाले 60-70 प्रतिशत लोग रूसी होते हैं। केवल 25-30 प्रतिशत विदेशी और भारतीय आते हैं।

अमेरिका में भारतीय भोजन

एक दशक पहले, यूएस के भारतीय रेस्तरां तैलीय, क्रीमी, गरिष्ट व्यंजन जैसे पालक पनीर, मलाई कोफ्ता, बटर नान, पनीर बटर मसाला और तंदूर में बनी अन्य चीजों से इतर ज्यादा कुछ प्रस्तुत नहीं करते थे। यह वास्तव में घर का बना मौलिक भोजन नहीं हैं। अब, भारतीय शेफ अपनी किस्म के पारखी होने का सम्मान हासिल कर रहे हैं, वे ज्यादा सजातीय भारतीय खाने को लोकप्रिय बना रहे हैं, जो घर पर बने भोजन के ज्यादा निकट है, और साथ-साथ वे इनके जायकों के विभिन्न संस्करणों का प्रयोग भी कर रहे हैं। खाने का कोई भी शौकीन सुवीर सरन और फ्लॉयड कार्डोज जैसे शेफों के नामों से परिचित होगा। पद्मा लक्ष्मी जैसी महिलाएं इसमें ग्लैमर का तड़का लगा रही हैं, विकास खन्ना, जिन्होंने यूएस राष्ट्रपति बराक ओबामा के लिए खाना बनाया की प्रशंसा की जाती है। इनके अलावा कई फूड नेटवर्क शो में हिस्सा लेने वाले और अकसर जज बनने वाले मनीत चौहान, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य श्रंखला ऑ बोन पेन के मेन्यू में सुधार करने वाली टीम के प्रमुख थॉमस जॉन और सचिन चोपड़ा, जिन्हें एसक्वायर मैगजीन ने संभावनापूर्ण घोषित किया, सराहे जाते हैं। ये कुछ भारतीय शेफ हैं, जिन्होंने अमेरिकी पाक परिदृश्य में नए चलन स्थापित किए।

50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। कुछ भारतीय पकवान बेहद लोकप्रिय हैं और ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और अन्य मध्य-पूर्वी देशों में भी उपलब्ध हैं। द समाचार है। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है। अंतर्राष्ट्रीय शेफ लोकप्रिय भारतीय व्यंजनों को एक नए अंदाज में पेश करने की कोशिश करते हैं जिससे बहुत सारे अंतर्राष्ट्रीय पकवान प्रभावित हुए हैं। भारतीय व्यंजनों को इस शीर्ष स्तर पर ले जाने का श्रेय उसकी सरलता, स्वादिष्टता एवं मितव्ययता को जाता है।

इन व्यंजनों ने बनाई अलग पहचान

मसाला-डोसा

मसाला-डोसा भारत के सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों में से एक है और उन पकवानों में शुमार है जिन्हें एक वैश्विक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक बार अवश्य चखना चाहिए।

आलू चाट

सड़क एवं गलियों से निकलकर भारत का प्रसिद्ध मजेदार स्नैक आलू चाट विदेशों में भी प्रसिद्धि हासिल कर रहा है। यह क्षुधावर्धक विभिन्न महाद्वीपों में व्यापक रूप से उपलब्ध है।

लिट्टी चोखा

जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। यह बिहारी स्वादिष्ट पकवान अब वैश्विक व्यंजन-सूचि में सम्मिलित हो चुका है। यह व्यंजन कम मात्रा में कैलोरी के साथ रेशे से भरपूर होने के कारण प्रसिद्ध है।

उपमा

उपमा, वैश्विक स्तर पर एक बहुत ही बढ़िया और प्रसिद्ध पकवान है। सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस से इसने अपनी पहचान बनाई। यह पकवान, विशेषतः उन लोगों के लिए है जो लजीज एवं स्वास्थ्यवर्धक खाने के शौकीन हैं।

आम की लस्सी

आम की लस्सी का स्वाद तो हम सब जानते ही हैं पर अब विभिन्न देशों के लोग भी इस तरोताजा अहसास प्रदान करने वाले पेय का लुत्फ लेना पसंद करते हैं। अफवाह तो यहां तक है कि एंड्राइड के अगले संस्करण का नाम भी 'मैंगो लस्सी' ही होगा ।

योग से कैंसर की रोकथाम...

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग ने योग पर एक रिसर्च किया है जिसके मुताबिक योग कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी रोकने में भी मददगार है। कैंसर को लाइलाज बीमारी के तौर पर जाना जाता है और ऐसे में एम्स की रिपोर्ट का आना आशा की एक किरण की तरह है।

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग की रिसर्च के मुताबिक लगातार योग करने से शरीर में ऐसे केमिकल बनते हैं जिससे कैंसर बनाने वाली कोशिकाओं पर दबाव पड़ता है। इसके लिए इंडियन काउंसिल ने 150 कैंसर मरीजों पर रिसर्च की और उन्हें लगातार तीन महीने तक प्रणायाम, सुदर्शन क्रिया और ध्यान करवाया गया। तीन महीने बाद ब्लड टेस्ट कराए गए और उसके जो नतीजे समाने आए वो चौंकाने वाले थे। कैंसर मरीजों के शरीर में कार्टिसो लेवल कम पाया गया और डब्ल्यूएचओ स्तर के मुताबिक उन सभी की क्वालिटी आफ लाइफ में सुधार पाया गया।

तीसरी और चौथी स्टेज

अमूनन कैंसर की तीसरी और चौथी स्टेज में मरीज को असहनीय दर्द होता है। ऐसे में मरीजों को मार्फिन की दवा दी जाती है ताकि उन्हें दर्द से निजात मिल सके। एम्स के कैंसर विभाग में प्रोफेसर सुषमा ऐसे ही मरीजों का इलाज करती हैं। उनका कहना है कि जब हमने रिसर्च की तो पाया कि योग करने वाले मरीजों में दर्द सहने की क्षमता काफी बढ़ गई थी। एम्स के निदेशक डॉ. एम. सी मिश्रा इस रिसर्च से बेहद उत्साहित हैं और कहते हैं मैं रोज योगा करता हूं इसलिए 62 साल की उम्र में भी पूरी तरह फिट हूं। निश्चित तौर पर योग से कैंसर की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

योग प्रणाली में कैंसर

योग प्रणाली में कैंसर कोशिकाओं को समाज में क्रिमनल के तौर पर देखा जाता है। कोशिकाओं के यह समूह खतरनाक साबित होते हैं क्योंकि यह बड़ी दिक्कत पैदा कर सकते हैं। इसी तरह कैंसर कोशिकाएं हमारे सारे शरीर में मौजूद रहती हैं, लेकिन उनमें से कुछ हमारे जीवन या शरीर को उस तरह प्रभावित नहीं करती। जब तक वे अकेली हों तो कोई समस्या नहीं। हालांकि यही कोशिकाएं जब बढ़ने लगती हैं, तो उनका हमारी सेहत पर बुरा असर दिखाई देने लगता है। योग में आमतौर पर हम इसे इस तरह देखते हैं जैसे इंसान के व्यवहार, खान-पान, जीवनशैली या किन्हीं दूसरी वजहों से जब ऊर्जा में कुछ खास किस्म का खालीपन पैदा हो जाता है तो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बनता है। अगर शरीर के किसी खास हिस्से में ऊर्जा का प्रवाह ठीक नहीं हो तो कैंसर कोशिकाएं उस जगह को छुपने और फलने-फूलने के लिए चुन लेती हैं। कैंसर कोई बीमारी नहीं, बल्कि इसमें कुछ कोशिकाएं आपके खिलाफ हो जाती हैं और इससे आपका शरीर ही आपके खिलाफ काम करने लग जाता है।

सबसे आसान तरीका

शरीर में कैंसर संक्रमित कोशिकाओं की रोकथाम का हमारे पास सबसे आसान तरीका समय से उपवास रखना है। इन कोशिकाओं को सामान्य कोशिकाओं से ज्यादा पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कुछ खास दिन खुद को भोजन से दूर रख कर आप शरीर में कैंसर संक्रमित उन कोशिकाओं की संख्याओं को कम कर सकते हैं। आप रोजाना नीम और हल्दी के पेस्ट से बनी गोलियां भी ले सकते हैं। यह कैंसर पीड़ित व्यक्ति के लिए भले एक उपचार न हो, लेकिन यह शरीर में कैंसर कोशिकाओं की संख्या को काबू में रखते हैं, जिससे वे शरीर के खिलाफ एकजुट नहीं हो पाती हैं। जब शरीर में इनका स्तर बढ़ता है, तो यह कोशिकाओं में ऊर्जा के प्रवाह को रोकते हैं और शरीर के वे हिस्से जहां ऊर्जा का प्रवाह नहीं हो पाता उनमें कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

आध्यात्मिक तरीके

योग में कुछ खास किस्म के आध्यात्मिक तरीके भी हैं, जो शरीर प्रणाली को सुधारने और संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। कई ऐसे मरीजों को देखा गया है कि जो इन उपायों की बदौलत पूरी तरह ठीक हो गए हैं। कई मरीज ऐसे भी हैं जो योग के जरिए कीमोथेरेपी के बाद बड़ी ही तेजी से उससे उबर गए। उन मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर भी उन्हें देख कर दंग रह गए। यहां यह पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता कि योग की वजह से उनका कैंसर ठीक हो गया, लेकिन चिकित्सीय उपचार के साथ योग करने से कैंसर के मरीजों को फायदा जरूर मिला है।

वजन बढ़ाने के लिए करें इस प्रकार का भोजन

- वजन बढ़ाने के लिए सबसे पहले तो आपका फिट रहना जरूरी है। आप वजन बढाना चाहते हैं इसका ये अर्थ नहीं कि आप शारीरिक रूप से बिल्कुल भी सक्रिय नहीं होंगे।
- वजन बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है, इसके लिए आप फिटनेस सेंटर ज्वॉइन कर सकते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए सबसे बढ़िया उपाय है आप हाई कैलोरी का खाना खाएं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं कि आप जंकफूड भारी मात्रा में खाने लगे।
- जंक फूड और फास्ट फूड की तुलना में स्वस्थ और अधिक कैलोरीयुक्त खाद्य-पदार्थों को प्राथमिकता दीजिए।
- अगर आप वजन हेल्दी रूप से बढ़ाना चाहते हैं तो आपको सुबह का नाश्ता हेवी करना होगा। सुबह का नाश्ता करने आप दिनभर ऊर्जावान बने रहते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन शेक भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इससे हड्डियां भी मजबूत होती है।
- चिकन, चावल, फिश, अंडा इत्यादि भी वजन बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। इन सभी खाद्य पदार्थों में भारी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।
- दूध या दूध से बनी चीजों में भी प्रोटीन पाया जाता है या फिर आप सोया मिल्क या पाउडर के सेवन से भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- अंकुरित अनाज में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होती है। आप अंकुरित चने, मोंठ इत्यादि के सेवन से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- पनीर, मक्खन, घी, तेल, तैलीय भोजन सभी को खाने से मोटापा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए फुलक्रीम दूध में रात को चने भिगोकर सुबह खाने चाहिए। इस तरह के खाद्य पदार्थों में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होता है।
- फलियां, मेवा, बींस इत्यादि में भरपूर प्रोटीन मौजूद होता हैं। इनके सेवन से आप आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- बहुत अधिक तैलीय पदार्थों के सेवन और तरल पदार्थों की कमी से भी वजन बढ़ता है।
- अधिक वसा इत्यादि का सेवन या फिर अधिक मात्रा में कैलोरी लेना लेकिन उस अनुसार व्यायाम ना करने से भी मोटापा बढ़ता है।

इसके अलावा आप हरी सब्जियां, फल, सूप इत्यादि के सेवन से भी आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं। इन टिप्स से आप प्रोटीन की कमी को दूर कर अपना वजन बढ़ा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**